INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
Email: info@unicomadvertising.com
www.unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी (केन्द्र सरकार) द्वारा मान्यता प्राप्त-
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
www.uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-218 | सांध्य दैनिक | मथुरा/आगरा संभाग, शुक्रवार, 2 अक्टूबर 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
Email: info@unicomadvertising.com
www.unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी (केन्द्र सरकार) द्वारा मान्यता प्राप्त- 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
www.uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-218 | सांध्य दैनिक | मथुरा/आगरा संभाग, शुक्रवार, 2 अक्टूबर 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

मथुरा से मानसून की विदाई, प्यासी रह गई ब्रज की धरती

यूनिक समय, मथुरा। इस बार मानसून ब्रज की धरती को तर करने में नाकाम रहा। आसमान से उम्मीद के अनुसार, पानी नहीं बरसा और मानसूनी सीजन खत्म होने के बाद खेतों में नमी का संकट साफ दिखाई दे रहा है। मथुरा से मानसून 23 सितंबर को विदा हो चुका है। मौसम विभाग के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, इस बार जिले में सामान्य से करीब 43 प्रतिशत कम वर्षा दर्ज की गई। कम बारिश का सीधा असर खरीफ सीजन की खेती पर पड़ा है। सबसे अधिक असर धान की खेती पर दिखाई दिया, जिससे जिले में करीब 30 हजार हेक्टेयर धान का रकबा कम हो गया।

मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, मथुरा में मानसूनी सीजन में सामान्य वर्षा

488.30 मिलीमीटर होती है, जबकि इस वर्ष केवल 279.80 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

यानी सामान्य के मुकाबले करीब 208.50 मिलीमीटर कम पानी बरसा। जून से सितंबर तक किसानों को अच्छी बारिश की उम्मीद थी, लेकिन कई बार बादल छाने के बावजूद पर्याप्त

मथुरा में इस बार सामान्य से 43 फीसदी कम हुई मानसूनी वर्षा

धान का रकबा 30 हजार हेक्टेयर घटा, बाजरा समेत खरीफ फसलें प्रभावित

वर्षा नहीं हो सकी।

कम बारिश का असर खेतों की नमी के साथ खरीफ फसलों की बुआई और उत्पादन पर भी पड़ा।

धान की फसल को पर्याप्त पानी नहीं मिलने से किसानों को सिंचाई के लिए निजी संसाधनों पर निर्भर रहना पड़ा। इससे लागत बढ़ी। बाजरा समेत अन्य खरीफ फसलों पर भी बारिश की कमी का असर देखने को मिला है। जिन क्षेत्रों में सिंचाई के साधन सीमित हैं, वहां किसानों की परेशानी अधिक रही। वहीं, कम बारिश काअसर गांवों के तालाब, पोखर और छोटे जलस्त्रोतों पर भी पड़ा है।

कई स्थानों पर बारिश के पानी से भरने वाले जलस्त्रोत पूरी क्षमता तक नहीं भर सके। इससे पशुपालकों को भी परेशानी हुई और भूजल रिचार्ज को लेकर चिंता बढ़ी है।

अल नीनो को माना गया कम बारिश की वजह

मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार के अनुसार, मथुरा के आसपास इस बार अल नीनो सक्रिय रहने का प्रभाव मानसूनी गतिविधियों पर पड़ा। इसके चलते अपेक्षित बारिश नहीं हो सकी। मानसून की विदाई के बाद अब किसानों की नजर रबी सीजन की तैयारियों पर है। किसानों को उम्मीद है कि सर्दियों से पहले होने वाली बारिश और रबी सीजन में पर्याप्त नमी से गेहूं, सरसों समेत अन्य फसलों की खेती को राहत मिल सकेगी। हालांकि मानसून की कम बारिश ने जिले में जलस्त्रोतों और भूजल रिचार्ज की स्थिति को लेकर भी चिंता बढ़ा दी है।

तीन महीने से लापता किशोर आश्रम के बाहर परिजनों का धरना

शुक्रवार को केलीकुंज आश्रम के बाहर घरना देते लापता अनुज के परिजन।

16 वर्षीय अनुज की तलाश में परिजनों ने उठाई आवाज

पुलिस ने आश्रम पहुंचकर खंगाली जानकारी, रिकॉर्ड की जांच शुरू

यूनिक समय, वृंदावन। हाथरस के सादाबाद क्षेत्र के बरामई खेड़ा गांव निवासी 16 वर्षीय अनुज चौधरी के करीब तीन महीने से लापता होने के मामले में शुक्रवार को परिजन वृंदावन पहुंचे। उन्होंने केली कुंज आश्रम के बाहर धरना देकर किशोर को जल्द तलाशकर घर वापस लाने की मांग की।

अनुज के पिता राजवीर सिंह के अनुसार, उनका इकलौता बेटा इंटर का छात्र था और पानीगांव स्थित ननिहाल आता-जाता था। इसी दौरान वह संत प्रेमानंद के दर्शन के लिए केली कुंज आश्रम जाने लगा। परिवार का दावा है कि करीब तीन महीने पहले अनुज ने आश्रम में दीक्षा ली थी। इसके करीब पांच दिन बाद वह महाराज के दर्शन करने की बात कहकर घर से निकला और फिर वापस नहीं लौटा।

परिजनों के अनुसार, घर से निकलते समय अनुज के पास कंठी-माला और तीन पुस्तकें थीं। पिता ने बताया कि उनसे आखिरी बार तीन तारीख की सुबह फोन पर बातचीत हुई थी। इसके बाद उसका मोबाइल संपर्क भी नहीं हुआ। परिवार ने आश्रम पहुंचकर अनुज के संबंध में जानकारी और सीसीटीवी फुटेज दिखाने की मांग की, लेकिन स्पष्ट जानकारी नहीं मिलने का आरोप लगाया।

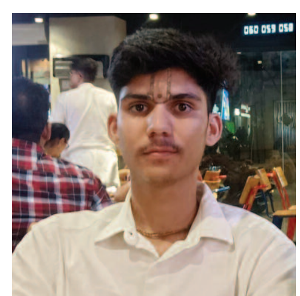

लापता अनुज चौधरी।

पुलिस ने आश्रम पहुंचकर जुटाई जानकारी

धरने की सूचना पर सीओ वृंदावन संदीप सिंह और कोतवाली प्रभारी अश्वनी कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम ने आश्रम के अंदर जाकर जानकारी जुटाई। आश्रम के एक साधक ने बताया कि सेवादारों के समूह में अनुज की तस्वीर भेजकर उसकी तलाश कराई गई थी। सीओ ने बताया कि अनुज की गुमशुदगी के संबंध में सादाबाद में मुकदमा दर्ज है। आश्रम में दीक्षा से जुड़े रिकॉर्ड की भी जांच की जा रही है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

बैठे, छत पर लेटे और लगा दी छलांग

संत प्रेमानंद के शिष्य की मौत का एक और फुटेज आया सामने

पुलिस ने आश्रम से जुड़े 30 से अधिक लोगों से की पूछताछ

यूनिक समय, वृंदावन। संत प्रेमानंद के आश्रम से जुड़े 25 वर्षीय शिष्य रसिक दुलारी शरण की मौत के मामले में नया सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। फुटेज में वह गुरु कृपा कुंज बिल्डिंग की चौथी मंजिल की छत की बाउंड्री पर बैठे दिखाई दे रहे हैं। करीब छह सेकंड बाद वह फर्श पर लेटते हैं और अचानक उठकर बाउंड्री से नीचे छलांग लगा देते हैं। घटना के बाद एक अन्य

शिष्य मौके पर पहुंचकर नीचे की स्थिति देखता है। पुलिस के अनुसार, घटना 25 सितंबर सुबह करीब 10:35 बजे हुई थी। गंभीर हालत में रसिक दुलारी शरण को सर्वोदय अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। 26 सितंबर को यमुना किनारे उनका अंतिम संस्कार किया गया।

संत परिवार पर दो हमले, एफआईआर को भटक रहे परिजन

यूनिक समय, वृंदावन। रमणरेती क्षेत्र की हरे कृष्ण धाम मधुवन कॉलोनी में संत श्यामानंद के परिवार पर दो बार हमले का मामला सामने आया है। पीड़ित मधु अवस्थी का आरोप है कि 27 सितंबर को 10-15 युवक और महिलाएं घर में घुस आए। मां-बेटी से मारपीट कर मोबाइल छीनकर धमकी दी। शोर सुनकर पहुंचे संत श्यामानंद के साथ भी गाली—गलौज और हाथापाई का आरोप है। परिवार के अनुसार, घटना के बाद पर्स से सात-आठ हजार रुपये और सोने की अंगूठी भी गायब मिली।

पीड़ितों का आरोप है कि 29 सितंबर को एसएसपी कार्यालय में शिकायत देने के दौरान उनकी बेटी पर फिर हमला किया गया। मामले में वृंदावन कोतवाली में शिकायत देने की बात कही गई है। परिवार ने पूर्व रमणरेती चौकी पुलिसकर्मी बॉबी पर हमलावरों से मिलीभगत का आरोप लगाकर जांच की मांग की है। वहीं, त्रिपुरा के राज्यसभा सांसद राजीव भट्टाचार्जी ने एसएसपी को ई-मेल भेजकर कार्रवाई की मांग की है।

रसिक दुलारी प्रकरण में 30 से अधिक लोगों से हो चुकी पूछताछ

यूनिक समय, वृंदावन। पुलिस मामले की जांच कर रही है और केली कुंज आश्रम से जुड़े 30 से अधिक लोगों से पूछताछ कर चुकी है। रसिक दुलारी शरण करीब तीन महीने से वाराह घाट क्षेत्र स्थित गुरु कृपा कुंज में रह रहे थे। पुलिस ने घटनास्थल से कुछ सामान भी बरामद किया है। मौत के कारणों और घटना से पहले की परिस्थितियों की जांच जारी है।

रसिक दुलारी के निधन के बाद केलीकुंज में बदला माहौल

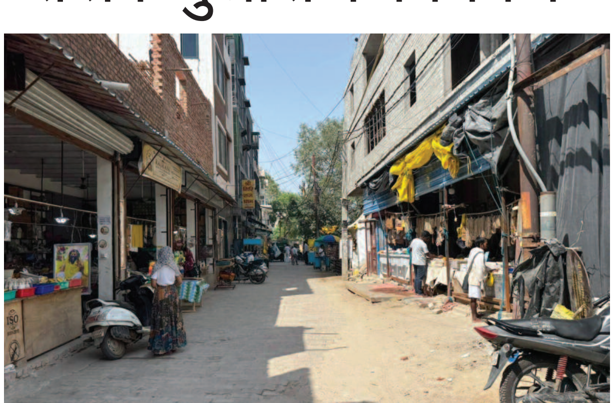

केलीकुंज आश्रम के बाहर शुक्रवार को पसरा सन्नाटा।

यूनिक समय, वृंदावन। संत प्रेमानंद के शिष्य रसिक दुलारी के निधन के बाद केलीकुंज का माहौल बदला गया है। पहले जहां सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की आवाजाही रहती थी, वहीं अब भक्तों की संख्या अपेक्षाकृत कम दिखाई दे रही है। निधन के बाद का शोक और दर्शन व्यवस्था में हुए बदलाव का असर भी परिसर में नजर आ रहा है।

दर्शन और दीक्षा को लेकर लगाए गए प्रतिबंधों के चलते दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या पहले की तुलना में कम हुई है। इससे कई समय केलीकुंज और आसपास का क्षेत्र शांत दिखाई देता है। हालांकि, श्रद्धालुओं का आना पूरी तरह बंद नहीं हुआ है। भक्त अब भी अपनी आस्था के अनुसार यहां पहुंच रहे हैं। रसिक दुलारी से जुड़ी स्मृतियों और बदली दर्शन व्यवस्था को लेकर श्रद्धालुओं के बीच चर्चा बनी हुई है। आने वाले दिनों में व्यवस्थाओं और भक्तों की आवाजाही में होने वाले बदलाव पर लोगों की नजर है।

पहले सुबह से रहती थी भीड़, अब परिसर में दिख रही शांति

अंदर के पेजों की प्रमुख खबरें

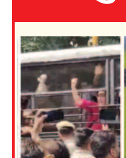

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ दिल्ली मुंबई में प्रदर्शन, कई नेता हिरासत में
पेज-11 पर

आठ दिवसीय अग्र महोत्सव में सजेगा सेवा संस्कृति का रंग
पेज-12 पर

हाईवे पर जाम से थमी रफ्तार वाहनों की लगी लंबी कतार

शुक्रवार को मंडी चौराहा अंडरपास जाम होने की वजह से फंसे वाहन।

जयगुरुदेव अंडरपास के नीचे बड़े वाहनों की वजह से लगा जाम।

जयगुरुदेव अंडरपास पर भी समस्या, रेंगते हुए बढ़े वाहन

मंडी चौराहा अंडरपास पर भी यातायात व्यवस्था चरमराई

यूनिक समय, मथुरा। शुक्रवार को दिल्ली-आगरा हाईवे पर जाम के चलते यातायात व्यवस्था प्रभावित रही। नवादा हाईवे से शुरू हुआ जाम जयगुरुदेव सर्विस रोड से होता हुआ मंडी चौराहा अंडरपास तक पहुंच गया। हाईवे के साथ सर्विस रोड पर भी वाहनों की लंबी कतार लगी रही। जाम के कारण वाहन चालकों को कम दूरी तय करने में भी काफी समय लगा।

सुबह 11 बजे के बाद यातायात का दबाव मंडी चौराहे और मंडी अंडरपास के नीचे भी दिखाई दिया। अंडरपास के दोनों ओर वाहनों की कतार लगने से आवागमन धीमा हो गया।

मंडी चौराहे पर दिल्ली की ओर जाने वाली सर्विस लेन में वाहनों का भारी दबाव रहा। यहां वाहन काफी देर तक रेंगते हुए आगे बढ़ते नजर आए। हाईवे पर यातायात प्रभावित होने का असर सर्विस रोड पर भी दिखाई दिया। सर्विस रोड पर वाहनों की संख्या बढ़ने से राहगीरों को परेशानी हुई। कई वाहन चालक जाम से बचने के लिए वैकल्पिक मार्गों का रुख करते नजर आए।

यातायात व्यवस्था को सामान्य करने के लिए पुलिसकर्मियों को मौके पर मशक्कत करनी पड़ी। शुक्रवार को हाईवे पर जाम के चलते दिनभर यातायात की रफ्तार प्रभावित रही और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

लेखपालों के बस्ते जमा करने से प्रमाणपत्रों पर ब्रेक

आय-जाति और निवास के आवेदन लंबित, छात्रवृत्ति पर संकट

शिक्षक भर्ती के आवेदक भी प्रमाणपत्रों के लिए परेशान

यूनिक समय, मथुरा। डिग्री और व्यावसायिक कॉलेजों में छात्रवृत्ति के आवेदन शुरू होते ही आय, जाति और निवास प्रमाणपत्र बनवाने के लिए छात्र-छात्राओं की भागदौड़ बढ़ गई है। दूसरी ओर लेखपालों के कार्य बहिष्कार के चलते प्रमाणपत्रों के आवेदनों की जांच और रिपोर्ट लगाने का काम प्रभावित है। इससे तहसीलों में आवेदनों का निस्तारण अटक गया है।

आंकड़ों के अनुसार, जिले में पांच हजार से अधिक आवेदन लंबित हैं। इनमें आय प्रमाणपत्र के तीन सौ से अधिक आवेदन निर्धारित समय-सीमा पार कर डिफॉल्टर श्रेणी में पहुंच गए हैं। छात्र-छात्राएं प्रमाणपत्रों के लिए जनसेवा केंद्रों और तहसीलों के चक्कर लगा रहे हैं। छात्रवृत्ति आवेदन की अंतिम तिथि नजदीक आने से उनकी चिंता बढ़ गई है। जिले में करीब 350 डिग्री और व्यावसायिक कॉलेज संचालित हैं। इनमें पढ़ने वाले हजारों विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन करना है। आवेदन में आय, जाति और निवास प्रमाणपत्र जरूरी हैं। पांचों तहसीलों में लेखपालों के बस्ते जमा होने से सत्यापन संबंधी प्रक्रिया प्रभावित होने की बात सामने आ रही है।

शिक्षक भर्ती के आवेदकों की भी बढ़ी परेशानी

शिक्षा विभाग में शिक्षक भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया चल रही है। आवेदन की अंतिम तिथि चार अक्टूबर है। कई अभ्यर्थियों को जाति और आय प्रमाणपत्र की आवश्यकता है। प्रमाणपत्र समय पर नहीं मिलने से वे आवेदन प्रक्रिया पूरी नहीं कर पा रहे हैं। एडीएम वित्त-राजस्व डॉ. पंकज कुमार वर्मा ने बताया कि लेखपालों की स्थानीय समस्याओं का निस्तारण करा दिया गया है। शासन स्तर पर लंबित मामलों के लिए पत्राचार किया जा रहा है।

चालक-परिचालकों को दिया सांकेतिक भाषा का प्रशिक्षण

सांकेतिक भाषा प्रशिक्षण में चालक परिचालकों से संवाद करते हुए एआरएम विवेक अहिरवार आदि।

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा डिपो की ओर से शुक्रवार को नया बस अड्डा परिसर में चालक और परिचालकों के लिए एक दिवसीय सांकेतिक भाषा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के माध्यम से श्रवण बाधित यात्रियों से संवाद स्थापित करने और उन्हें यात्रा के दौरान अच्छी सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कर्मचारियों को सांकेतिक भाषा की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में चालक और परिचालकों को सांकेतिक भाषा के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान एआरएम विवेक अहिरवार ने बताया कि यात्रियों की आवश्यकताओं को समझने, उनके साथ सहज तरीके से संवाद करने और यात्रा के दौरान उनकी सहायता करनी चाहिए। उन्होंने कर्मचारियों से कहा कि सांकेतिक भाषा के माध्यम से संवाद करना चाहिए।

जय प्रकाश शुक्ला ने कहा कि परिवहन सेवा का लाभ प्रत्येक यात्री तक सहज रूप से पहुंचाना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से चालक और परिचालकों को सांकेतिक भाषा का प्रशिक्षण दिया गया, ताकि श्रवण बाधित यात्रियों को बस यात्रा के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो। कार्यक्रम में शशि, रवींद्र चतुर्वेदी सहित मथुरा डिपो का अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

जनगणना में आधार से रोजगार तक मांगी जाएगी जानकारी

एक दिसंबर से चार जनवरी तक चलेगा द्वितीय चरण की जनगणना का काम

यूनिक समय, मथुरा। जनगणना-2027 के द्वितीय चरण में प्रत्येक व्यक्ति से कुल 40 सवाल पूछे जाएंगे। इनमें व्यक्ति की व्यक्तिगत, सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक स्थिति से जुड़ी जानकारियां दर्ज की जाएंगी। अधिकारियों के अनुसार, जनगणना के दौरान नाम, परिवार से संबंध, लिंग, जन्म तिथि, आयु, वैवाहिक स्थिति और राष्ट्रीयता की जानकारी ली जाएगी।

जनगणना में इसके साथ ही धर्म, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और जाति से संबंधित विवरण भी दर्ज किया जाएगा। दिव्यांगता, मातृभाषा, साक्षरता और शैक्षिक योग्यता से जुड़े सवाल भी पूछे जाएंगे। रोजगार, व्यवसाय और आर्थिक गतिविधियों की जानकारी भी जनगणना के अभिलेख में शामिल की जाएगी। जनगणना में व्यक्ति के जन्म स्थान, प्रवास और स्थायी पते से संबंधित जानकारी भी ली जाएगी। इसके अलावा प्रजनन से जुड़ी निर्धारित जानकारी दर्ज की जाएगी। मोबाइल नंबर, आधार, मतदाता पहचान पत्र, पासपोर्ट और ड्राइविंग लाइसेंस से संबंधित विवरण भी मांगा जाएगा।

एक दिसंबर से शुरू होगा जनगणना का दूसरा चरण

एडीएम वित्त डॉ. पंकज कुमार वर्मा ने बताया कि जनगणना-2027 के द्वितीय चरण का कार्य एक दिसंबर से चार जनवरी तक चलेगा। नागरिकों की सुविधा के लिए 16 नवंबर से 30 नवंबर तक स्व-गणना की सुविधा उपलब्ध रहेगी। इसके माध्यम से लोग निर्धारित प्रक्रिया के तहत अपनी जानकारी स्वयं दर्ज कर सकेंगे। जनगणना कार्य को सुचारु रूप से कराने के लिए फील्ड ट्रेनरों का जिला स्तरीय प्रशिक्षण भी कराया जाएगा। प्रशिक्षण का दूसरा चरण पांच से सात अक्टूबर तक आयोजित होगा। प्रशिक्षण के बाद फील्ड स्तर पर कर्मचारियों को जनगणना संबंधी कार्य और प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी।

बाल व्यास आस्था किशोरी की श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

व्यास गद्दी का पूजन करते महंत मोहिनी बिहारी शरण आदि।

यूनिक समय, वृंदावन। श्रीधाम के कैलाश नगर क्षेत्र में 12 वर्षीय बाल व्यास आस्था किशोरी की पहली श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ भक्तिमय वातावरण में हुआ। जन्मदिन के अवसर पर आस्था किशोरी ने पहली बार कथा का वाचन प्रारंभ किया। कथा शुभारंभ पर महंत मोहिनी बिहारी शरण ने पहुंचकर बाल व्यास को आशीर्वाद दिया।

आस्था किशोरी पांच वर्ष की उम्र से अनमोल गुरुकुलम में रहकर शिक्षा ग्रहण कर रही हैं। कथा के दौरान उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत कथा का रसपान कराने का अवसर मिलना उनके लिए सौभाग्य की बात है।

उन्होंने अपनी इस यात्रा का श्रेय माता-पिता के साथ अपने गुरु अनमोल कृष्ण को दिया। उन्होंने कहा कि गुरुकुल में शिक्षा के साथ संस्कार और आध्यात्मिक मार्गदर्शन प्राप्त कर उन्होंने कथा वाचन की दिशा में कदम बढ़ाया है। महंत मोहिनी बिहारी शरण ने आशीर्वाद देते हुए कामना की कि वह श्रीमद्भागवत कथा के माध्यम से धर्म, भक्ति और संस्कारों का संदेश जन-जन तक पहुंचाती रहें।

कथा के शुभारंभ से कैलाश नगर क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में डूबा रहा। कार्यक्रम में देवाशीष मिश्रा, प्रतीक मिश्रा, सौरभ गौड़ सहित अनेक संत-विद्यार्थी उपस्थित रहे।

बुजुर्ग महिलाओं की रोडवेज यात्रा हुई अब बेफिक्र

यूनिक समय, मथुरा। अब 60 वर्ष या उससे अधिक उम्र की महिलाओं के लिए रोडवेज बसों का सफर आर्थिक चिंता से मुक्त हो गया है। प्रदेश सरकार की निशुल्क बस यात्रा सुविधा का जिले में बुजुर्ग महिलाएं लगातार लाभ उठा रही हैं। 30 सितंबर तक जिले में 7499 महिलाएं इस सुविधा के तहत मुफ्त यात्रा कर चुकी हैं। इन यात्राओं का राजस्व मूल्य 9,98,019 रुपये रहा।

रक्षाबंधन पर शुरू की गई इस सुविधा का लाभ त्योहार के बाद भी पात्र महिलाओं को मिल रहा है। योजना के तहत 60 वर्ष या उससे

अधिक उम्र की महिलाएं रोडवेज बसों में बिना किराया दिए यात्रा कर सकती हैं। इससे उन्हें रिश्तेदारों के यहां जाने, बाजार पहुंचने और जरूरी काम निपटाने में आर्थिक राहत मिल रही है।

पहले लंबी दूरी की यात्रा के दौरान किराये का खर्च बुजुर्ग महिलाओं के लिए चिंता का कारण बनता था। कई बार जरूरी काम होने के बावजूद यात्रा टालनी पड़ती थी। अब निशुल्क यात्रा की सुविधा मिलने से ऐसी महिलाओं के लिए आवागमन आसान हुआ है। मथुरा धार्मिक और पर्यटन नगरी होने के कारण योजना का महत्व और बढ़ जाता है। जिले में बड़ी संख्या में महिलाएं धार्मिक स्थलों और आसपास के क्षेत्रों में आवागमन करती हैं। ऐसे में निशुल्क रोडवेज यात्रा उनके लिए आर्थिक सहूलियत के साथ बेहतर आवागमन का माध्यम भी बन रही है।

30 सितंबर तक 7499 महिलाओं ने उठाया योजना का लाभ

9.98 लाख रुपये के किराये के बराबर हुआ निशुल्क सफर

मथुरा डिपो से जुड़े 30 सितंबर तक के आंकड़े बताते हैं कि 7499 महिलाओं ने योजना का लाभ लिया है। इनके सफर पर आने वाला 9,98,019 रुपये का किराया सरकार की ओर से वहन किया गया।

बिना सत्यापन रह रहे हजारों नौकर किराएदार, सुरक्षा पर सवाल

मकान मालिक और दुकानदार नहीं करा रहे पुलिस सत्यापन

घटना के बाद पुलिस के सामने खड़ी होती है पहचान की चुनौती

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में होटल, ढाबों, दुकानों और मकानों में हजारों की संख्या में नौकर और किराएदार रह रहे हैं, लेकिन बड़ी संख्या में इनका पुलिस सत्यापन नहीं कराया जा रहा है। मकान मालिक और दुकानदार अपने यहां काम करने वाले लोगों की पूरी जानकारी तक जुटाने की जहमत नहीं उठाते। इसका खामियाजा घटना होने के बाद भुगतना पड़ता है। पुलिस के सामने भी आरोपितों की पहचान और पृष्ठभूमि खंगालने में परेशानी आती है।

घरेलू काम करने वाले नौकर धीरे–धीरे परिवार का विश्वास जीत लेते हैं। इसी भरोसे में कई बार उनके पते, पहचान पत्र और स्थायी निवास जैसी जरूरी जानकारियां दर्ज नहीं की जातीं। घटना के बाद जब आरोपित फरार हो जाता है तो पुलिस के पास उसकी पहचान से जुड़े पर्याप्त दस्तावेज उपलब्ध नहीं होते। कुछ माह पूर्व वृंदावन में अकेली रह रही वृद्ध महिला की उसके घर में काम करने वाले नौकर और नौकरानी ने हत्या कर दी थी। दोनों घर से सामान लेकर फरार हो गए थे। पुलिस ने बाद में आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया, लेकिन उनकी पहचान और तलाश में पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। हाल ही कोसीकलां में सर्राफ की दुकान में हुई बड़ी चोरी के मामले में भी दुकानों पर काम करने वाले कर्मचारियों के सत्यापन का प्रकरण सामने आया। कारोबारियों द्वारा कर्मचारियों की पृष्ठभूमि की पूरी जानकारी रखने की जरूरत एक बार फिर महसूस हुई।

थानों में बनाए गए थे सत्यापन रजिस्टर

तत्कालीन एसएसपी हरिराम शर्मा के कार्यकाल में किराएदारों और नौकरों के सत्यापन को लेकर थाना प्रभारियों को निर्देश दिए गए थे। नई कॉलोनियों, ढाबों और दुकानों में काम करने वालों का सत्यापन कर थानों में रजिस्टर तैयार कराए गए थे। बाद में यह व्यवस्था कमजोर पड़ गई और सत्यापन की प्रक्रिया पुराने ढर्रे पर लौटती दिखाई दी। अब यह सत्यापन से जुड़े रजिस्टर अलमारियों की शोभा बन चुके हैं।

सात लाख की लूट निकली फर्जी, दोस्त संग रचा था ड्रामा

फर्जी लूट के खुलासे की जानकारी देते पुलिस अधिकारी।

सीसीटीवी फुटेज में नहीं दिखी वारदात, पुलिस को हुआ शक

बाइक गिरवाकर बैग लूटने का किया नाटक, दोनों जेल भेजे

यूनिक समय, मथुरा। थाना राया क्षेत्र में बरेली-जयपुर हाईवे पर सात लाख रुपये की लूट की सूचना से हड़कंप मचाने वाले युवक की कहानी जांच में फर्जी निकली। पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए लूट का नाटक रचने वाले दो दोस्तों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

30 सितंबर को पीआरवी को सूचना मिली थी कि तिरवाया गांव के समीप हाईवे पर दो बाइक सवारों ने एक बाइक को टक्कर मारकर गिरा दिया और युवक का बैग लेकर फरार हो गए। बैग में सात लाख रुपये होने की बात बताई गई थी। युवक बैनामा कराने के लिए महावन जाने की बात कह रहा था। मामले में कुलदीप निवासी सरकोरिया गौरई, अलीगढ़ ने पुलिस को तहरीर दी थी।

थाना प्रभारी राया कर्मवीर सिंह के अनुसार, पुलिस ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। शिकायतकर्ता द्वारा बताए गए घटनाक्रम से जुड़ी कोई लूट फुटेज में दिखाई नहीं दी। इससे पुलिस को घटना पर संदेह हुआ और जांच को आगे बढ़ाया गया।

जांच में सामने आया कि कुलदीप ने अपने दोस्त अजीत के साथ मिलकर लूट की साजिश रची थी। उसने सात लाख रुपये घर पर रख दिए और खाली बैग लेकर दोस्त के साथ हाईवे पर पहुंचा।

योजना के अनुसार, अजीत ने बाइक को टक्कर मारकर गिराया और इसके बाद बैग लूटने का नाटक किया गया। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद दोनों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया गया।

नकली नोटों के नाम पर मनोरंजन बैंक की गड्डियां बरामद

एक लाख के बदले पांच से सात लाख देने का झांसा

स्विफ्ट कार से 31 लाख से अधिक नोट लैपटॉप, मोबाइल बरामद

यूनिक समय, मथुरा। रिफाइनरी पुलिस ने नकली नोटों के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से 31 लाख रुपये से अधिक के मनोरंजन बैंक के नोट, स्विफ्ट कार, लैपटॉप, मोबाइल फोन और चाकू बरामद किया है।

एसपी अपराध श्वेता यादव ने बताया कि 29 सितंबर को चार किलो चांदी और एक लाख रुपये की ठगी की शिकायत मिली थी। शिकायकर्ता अनिरूद्ध गुप्ता निवासी गंगा नगर ऋषिकेश के आधार पर पुलिस ने तत्काल जांच शुरू कर दी और संदिग्ध गतिविधियों की पड़ताल तुरंत शुरू की गई। जांच में शिकायतकर्ता की कहानी में विरोधाभास मिला। जिस स्थान पर चांदी की दुकान पर टंच कराने की बात बताई गई थी, वहां नमकीन की दुकान मिली। सीसीटीवी फुटेज में भी घटना की पुष्टि नहीं हुई। कार की तलाशी लेने पर मनोरंजन बैंक के नोट मिले। व्हाट्सएप पर भी केवल एक लाख रुपये मांगे जाने का विवरण मिला। पूछताछ में सामने आया कि अलवर निवासी लाल व्हाट्सएप के जरिए गिरोह से जुड़ा है और ग्राहकों को उनके पास भेजता है। गिरोह एक लाख रुपये के बदले पांच से सात लाख रुपये के नकली नोट देने का झांसा देता था। विश्वास दिलाने के लिए नोटों की गड्डियों में एक असली नोट की गड्डी नकली बताकर दी जाती थी। बाद में मनोरंजन बैंक की गड्डियां देकर रकम आपस में बांट ली जाती थी।

पुलिस ने लवकुश निवासी गणेशपुरम कॉलोनी, थाना सदर बाजार मूल निवासी पर्वतपुर थाना खंदोली, आगरा, बृजमोहन उर्फ इक्का उर्फ बिरजू निवासी कृष्णाधाम कॉलोनी, थाना सदर बाजार और अनिल निवासी कुंवरपुर, थाना चंदपा, हाथरस को गिरफ्तार किया। इनके साथ सचिन निवासी तारपुर जट्टारी, थाना टप्पल अलीगढ़, लाल और एक अन्य अज्ञात की तलाश जारी है। गिरफ्तारी बरेली हाईवे अंडरपास, कोयला अलीपुर अंडरपास के समीप मोड़ से हुई। टीम में उप निरीक्षक विक्रांत तोमर, उप निरीक्षक पविंद्र कुमार, उप निरीक्षक तेजेंद्र सिंह, उप निरीक्षक रोहित उज्जवल और पुलिस टीम शामिल रही।

मंदिरों और चौराहों के सामने खड़े ई–रिक्शा बने जाम का कारण

शुक्रवार को बांकेबिहारी मंदिर के समीप हरी निकुंज चौराहे पर खड़े ई–रिक्शा।

यूनिक समय,वृंदावन। धार्मिक नगरी में ई–रिक्शा की बढ़ती संख्या और जगह–जगह बेतरतीब खड़े किए जाने से स्थानीय लोगों के साथ श्रद्धालुओं को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मंदिरों के सामने, प्रमुख चौराहों और संकरी सड़कों पर चालक ई-रिक्शा खड़े कर सवारियों का इंतजार करते नजर आते हैं। इससे कई स्थानों पर रास्ता संकरा हो जाता है और वाहनों के आवागमन में बाधा उत्पन्न होती है।

मंदिरों की नगरी में रोजाना बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिरों में दर्शन के लिए पहुंचते हैं। भीड़ के समय सड़क किनारे खड़े ई-रिक्शा स्थिति को और मुश्किल बना देते हैं। कई बार एक साथ कई ई-रिक्शा खड़े होने से पैदल चलने वाले लोगों को भी सड़क के बीच से निकलना पड़ता है। चौराहों के आसपास भी ई-रिक्शा चालकों द्वारा सवारियों के इंतजार में वाहन खड़े कर दिए जाते हैं, जिससे यातायात प्रभावित होता है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि ई-रिक्शा शहर में आवागमन का महत्वपूर्ण साधन हैं, लेकिन उनके संचालन और पार्किंग के लिए उचित व्यवस्था होना जरूरी है। लोगों के अनुसार, मंदिरों के सामने और प्रमुख चौराहों पर ई-रिक्शा खड़े करने के बजाय निर्धारित स्थान तय किए जाने चाहिए। इससे यातायात व्यवस्था बेहतर होने के साथ श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को भी राहत मिल सकती है।

यात्री की हुई स्टेशन पर मौत

यूनिक समय, मथुरा। राजकीय रेलवे पुलिस ने कंट्रोल से मिले मीमो के आधार पर प्लेटफार्म संख्या तीन पर यात्री राजेंद्र कुमार श्रीवास्तव (42) निवासी मकान नबंर 139 सेक्टर छह स्टेट बैंक के सामने वाली गली शांति नगर थाना बड़ा जिला सागर मध्य प्रदेश का पोस्टमार्टम करने के बाद शव को परिवारीजनों को सौंप दिया।

पढ़िए वो
जो पढ़ना चाहिए
यूनिक समय
www.uniquesamay.com

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक–पवन गौतम
फोन नंबर–0565–3550761
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

अब बिना मोबाइल नंबर नहीं होगी स्पीड पोस्ट-रजिस्ट्री की बुकिंग

यूनिक समय, मथुरा। डाकघर से स्पीड पोस्ट, पंजीकृत डाक या अन्य जवाबदेह डाक भेजने वालों के लिए जरूरी खबर है। अब डाक बुक कराने के दौरान प्रेषक और प्राप्तकर्ता, दोनों के मोबाइल नंबर दर्ज कराना अनिवार्य होगा। मोबाइल नंबर नहीं देने पर आम लोगों की डाक की बुकिंग नहीं की जाएगी। डाक विभाग ने पहले ग्राहकों के इन्कार करने पर मोबाइल नंबर के बिना डाक बुक करने की जो सुविधा दी थी, उसमें अब बदलाव हो गया है।

डाक विभाग के प्रवर अधीक्षक विजेंद्र ने जानकरी देते हुए बताया कि मोबाइल नंबर दर्ज होने से डाक की निगरानी और वितरण से जुड़ी जानकारी आसानी से उपलब्ध हो सकेगी। डाक की स्थिति की जानकारी, डिलीवरी संबंधी सूचना और ग्राहक से संपर्क करने में भी सुविधा मिलेगी।

मोबाइल नंबर नहीं होने के कारण ट्रैकिंग और डिलीवरी सूचना में आने वाली दिक्कतों को देखते हुए यह व्यवस्था लागू की गई है। हालांकि, नियम में कुछ विशेष मामलों को छूट दी गई है। अंतरराष्ट्रीय डाक भेजते समय प्राप्तकर्ता का मोबाइल नंबर अनिवार्य नहीं होगा। केंद्र और राज्य सरकार के विभागों, अदालतों और केंद्रीय सतर्कता आयोग जैसे संवैधानिक निकायों के कार्यालयों को भेजी जाने वाली डाक में भी प्राप्तकर्ता का मोबाइल नंबर देना जरूरी नहीं होगा। इसी तरह अनुबंध के तहत डाक भेजने वाले बल्क मेलर्स को प्रेषक का मोबाइल नंबर देने से छूट मिलेगी। केंद्रीय सतर्कता आयोग को पीआईडीपीआई के तहत भेजे जाने वाले पत्रों में भी प्रेषक के मोबाइल नंबर की अनिवार्यता नहीं होगी।

प्रेषक और प्राप्तकर्ता दोनों का नंबर देना जरूरी, कुछ विशेष मामलों में रहेगी छूट

प्रवर अधीक्षक ने बताया कि जिन मामलों में नियम के तहत मोबाइल नंबर की छूट है, वहां बुकिंग के समय डाक विभाग के सिस्टम में डमी मोबाइल नंबर 1234567890 दर्ज किया जाएगा।

स्वच्छता अभियान में गूंजा स्वच्छ मथुरा का संकल्प

स्वच्छता अभियान में शामिल भाजपा कार्यकर्ता।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने चौबिया पाड़ा क्षेत्र में चलाया जनजागरण अभियान

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय जनता पार्टी के सेवा संकल्प अभियान के तहत मथुरा महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव के नेतृत्व में होली गेट मंडल के वार्ड संख्या 61 स्थित चौबिया पाड़ा क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाया गया।

दलपत खिड़की कोतवाली रोड से शुरू हुआ अभियान कुत्ता पाईसा गली, पीरपंच, बारी गली, पापड़ गली, छत्ता बाजार, गली कूचा सुनारन, हनुमान गली, ताजपुरा और ककोरन घाटी तक चला। कार्यकर्ताओं ने लोगों से आसपास स्वच्छता बनाए रखने की अपील की और घर–घर पत्रक वितरित किए। अभियान में महानगर उपाध्यक्ष रामकिशन पाठक, मंडल महामंत्री नितिन चतुर्वेदी, पूर्व नगर महामंत्री हरिओम शर्मा, स्थानीय स्वच्छता निगरानी समिति अध्यक्ष-निवर्तमान पार्षद रामदास चतुर्वेदी, पुलकित शर्मा, ऋषभ सक्सेना, अंबिका प्रसाद, कृष्ण चतुर्वेदी, कन्हैयालाल और विनोद तिवारी सहित कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने स्वच्छ-सुंदर मथुरा का संकल्प लिया।

पत्रकारों ने डीएम को दिया ज्ञापन पेंशन समेत उठाईं कई मांगें

डीएम चंद्रप्रकाश सिंह को ज्ञापन देते श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। पत्रकारों की सुरक्षा, सम्मान और आर्थिक अधिकारों से जुड़ी 11 सूत्रीय मांगों को लेकर उत्तर प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार यूनियन ने दो अक्तूबर को मांग दिवस मनाया। इंडियन जर्नलिस्ट्स यूनियन के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर पत्रकार सिविल लाइंस में एकत्र हुए और नारे लगाते हुए डीएम कार्यालय पहुंचे। डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने बाहर आकर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन लिया और मांगों को राष्ट्रपति तक भेजने का आश्वाासन दिया।

ज्ञापन में राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा कानून, मीडिया आयोग और नए वेतन बोर्ड के गठन, समान पेंशन योजना, बिना जांच मुकदमे, तत्काल गिरफ्तारी पर रोक, मृतक-घायल पत्रकारों के परिजनों को मुआवजा, निःशुल्क उपचार, आयुष्मान योजना, टोल और रेल यात्रा में छूट, प्रेस क्लब और रियायती आवासीय योजना की मांग की गई। जिलाध्यक्ष-आईजेयू राष्ट्रीय सचिव नरेंद्र भारद्वाज, महासचिव रमेश चंद्रा, वरिष्ठ पत्रकार किशन चतुर्वेदी, अजय शर्मा और मधुसूदन शर्मा मौजूद रहे।

पिस्टल के साथ गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली पुलिस ने अलवर बाजना रेलवे पुल के पास कच्ची सड़क से अभियुक्त नेत्रपाल निवासी गांव बिजहारी थाना राया को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक पिस्टल और कारतूस बरामद किए हैं।

जीएलए में गूगल जेमिनी प्रशिक्षण, विद्यार्थियों ने बनाए एआई एजेंट

तीन दिवसीय प्रशिक्षण में विद्यार्थियों को मिला व्यावहारिक अनुभव

7000 लाइसेंस सक्रिय, उद्योग विशेषज्ञों ने सिखाए एआई के गुर

जीएलए विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय गूगल जेमिनी एंटरप्राइज प्रशिक्षण एवं इमर्शन कार्यक्रम में छात्रों को प्रशिक्षण देती विषय विशेषज्ञ।

यूनिक समय, मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय गूगल जेमिनी एंटरप्राइज प्रशिक्षण और इमर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता, एजेंटिक एआई और एआई आधारित तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव देना रहा। उत्तर भारत के पहले गूगल एजेंटिक एआई विश्वविद्यालय के रूप में जीएलए की इस पहल में विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने और उद्योग की बदलती जरूरतों के अनुरूप तैयार करने पर जोर दिया गया। जीएलए विश्वविद्यालय और गूगल के बीच हुए समझौता ज्ञापन के तहत आयोजित प्रशिक्षण में विद्यार्थियों को उभरती तकनीकों के साथ व्यावहारिक-उद्योगोन्मुख कौशल हासिल करने का अवसर मिला। कार्यक्रम के दौरान 7000 गूगल जेमिनी एंटरप्राइज लाइसेंस सक्रिय किए गए। इससे विद्यार्थी प्रशिक्षण के बाद भी एआई आधारित उपकरणों का उपयोग कर अपनी तकनीकी समझ और कौशल विकसित कर सकेंगे।

प्रशिक्षण में इंजीनियरिंग, जैव प्रौद्योगिकी और कृषि, प्रबंधन और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें एआई एजेंट बनाने की प्रक्रिया समझाई गई। विद्यार्थियों ने स्वयं एआई एजेंट तैयार किए और उनके विभिन्न व्यावहारिक उपयोगों को जाना। इसके अलावा एआई एजेंट प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने अपने बनाए एजेंट प्रस्तुत किए।

विशेषज्ञों ने समझाई एआई एजेंट की कार्यप्रणाली

प्रशिक्षण सत्रों में एंकर क्लाउड की कस्टमर सक्सेस मैनेजर शिंदुजा वीएन, वरिष्ठ एमएल इंजीनियर आकाश राजारामन, एमएल इंजीनियर शर्मिला बालाकृष्णन, एमएल इंजीनियर दीक्षा सुरेश और हेड ऑफ ऑपरेशंस प्रशांत ने विद्यार्थियों से संवाद किया। विशेषज्ञों ने एआई एजेंट की कार्यप्रणाली, व्यावहारिक उपयोग और भविष्य की संभावनाओं की जानकारी दी। प्रशिक्षण को प्रयोग आधारित रखा गया, जिससे विद्यार्थियों ने स्वयं एजेंट बनाकर उनका उपयोग किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को उपहार भी दिए गए। कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता ने कहा कि उद्योग विशेषज्ञों के साथ ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को कक्षा में अर्जित ज्ञान को वास्तविक तकनीकी प्रयोगों से जोड़ने का अवसर देते हैं। सीएफओ डॉ. विवेक अग्रवाल ने कहा कि 7000 लाइसेंस के माध्यम से विभिन्न पाठ्यक्रमों के विद्यार्थी प्रशिक्षण के बाद भी एआई उपकरणों के साथ प्रयोग और सीखने की प्रक्रिया जारी रख सकेंगे। कार्यक्रम समापन पर विद्यार्थियों के लाइसेंस सक्रिय किए गए। इससे उन्हें आगे भी एजेंटिक एआई और एआई आधारित तकनीकों का अध्ययन और प्रयोग करने की सुविधा मिलेगी।

गांधी–शास्त्री जयंती पर गूंजा स्वच्छता सेवा संदेश

कलेक्ट्रेट में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते डीएम सीपी सिंह।

नगर निगम कार्यालय में गांधी के चित्र पर माल्यार्पण करते नगर आयुक्त ओजस्वी राज आदि।

कलेक्ट्रेट, नगर निगम रिफाइनरी और रेलवे बैंक में हुए कार्यक्रम

यूनिक समय, मथुरा। महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर शुक्रवार को कलेक्ट्रेट, नगर निगम, मथुरा रिफाइनरी, रेलवे स्टेशन और जिला सहकारी बैंक में कार्यक्रम हुए। अधिकारियों–कर्मचारियों ने दोनों महापुरुषों को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया।

कलेक्ट्रेट की स्वच्छता वाटिका में डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उन्होंने लाल बहादुर शास्त्री के चित्र और पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर भी पुष्प अर्पित किए। उन्होंने सत्य, अहिंसा, सादगी, स्वच्छता और सेवा के संदेश को जीवन में उतारने, जनसमस्याओं का समयबद्ध निस्तारण करने का आह्वान किया। एडीएम वित्त-राजस्व डॉ. पंकज कुमार वर्मा एडीएम प्रशासन अमरेश कुमार, एडीएम नमामि गंगे नंद प्रकाश मौर्या, एडीएम न्यायिक वेद प्रिय आर्य, नगर मजिस्ट्रेट अनुपम कुमार मिश्रा और डिप्टी कलेक्टर साक्षी शर्मा आदि मौजूद रहे। नगर निगम मुख्यालय पर नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने ध्वजारोहण किया। अपर नगर आयुक्त प्रियंका सिंह, पार्षद राजीव कुमार, कुलदीप पाठक और अभिजीत सिंह ने विचार रखे। वृंदावन में उपसभापति मुकेश सारस्वत, सहायक नगर आयुक्त नीरज शर्मा और अनुज कौशिक, औरंगाबाद में अपर नगर आयुक्त सुनीता सिंह, मथुरा कार्यालय में कर निर्धारण अधिकारी अरविंद ने श्रद्धांजलि दी। पार्षद संजय अग्रवाल, राकेश भाटिया, तरुण सैनी, मुन्ना मलिक, लीला, गुलशन और विकास दिवाकर मौजूद रहे। मथुरा रिफाइनरी में कार्यकारी निदेशक-रिफाइनरी प्रमुख मुकुल अग्रवाल के नेतृत्व में श्रद्धांजलि और पौधारोपण हुआ। उन्होंने स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास में सहभागिता का संदेश दिया।

मथुरा जंक्शन पर स्टेशन निदेशक सुनील कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में स्वच्छता रैली निकली। स्काउट्स–गाइड्स, सफाई कर्मचारियों और आरपीएफ कर्मियों ने यात्रियों को जागरूक कर पंपलेट बांटे। आरपीएफ निरीक्षक यूके कौशिक मौजूद रहे। जिला सहकारी बैंक में अध्यक्ष निरंजन सिंह धनगर ने गांधी और शास्त्री की जयंती पर माल्यार्पण किया। रामनाथ, अरुण कुमार, विनोद कुमार गौतम, भारत गर्ग, श्वेता शुक्ला, राजेंद्र राम, वंदना कुशवाहा, सुजीत कुमार, सत्यपाल कुंतल और प्रशांत कुमार मौजूद रहे।

जयंती पर रिफाइनरी नगर में पौधारोपण करते निदेशक मुकुल अग्रवाल आदि।

जिला सहकारी बैंक में गांधी के चित्र पर माल्यार्पण करते बैंक के अध्यक्ष निरंजन सिंह धनगर,विनोद गौतम।

प्रथम छह स्थान पाने वालों को सिटी मजिस्ट्रेट ने किया सम्मानित

यूनिक समय, मथुरा। गांधी जयंती पर खेल विभाग और जिला प्रशासन की ओर से शुक्रवार को पांच किलोमीटर ओपन पुरुष और महिला दौड़ आयोजित की गई। राइफल क्लब से जिला ओलंपिक संघ सचिव महेंद्र राजपूत और जिला एथलेटिक्स संघ सचिव जयसिंह ने हरी झंडी दिखाकर दौड़ रवाना की। मार्ग राइफल क्लब से पेट्रोल पंप चौराहा, पंचायत भवन, जिला कारागार, ब्लॉक कार्यालय, डेयरी फार्म और ऑफिसर्स कॉलोनी होते हुए वापस राइफल क्लब पहुंचा। स्व. मोहन पहलवान स्पोर्ट्स स्टेडियम में उप क्रीड़ा अधिकारी आजाद सिंह, कर्मचारियों और खिलाड़ियों ने ध्वजारोहण के बाद राष्ट्रगान किया। नगर मजिस्ट्रेट अनुपम मिश्र ने दोनों वर्गों के प्रथम छह खिलाड़ियों को पुरस्कार दिए। महिला वर्ग में पूनम, अनामिका पाल, राधा, ईशा, संस्सा और ईशा तथा पुरुष वर्ग में मानू ठाकुर, विनीत शर्मा, महेश सिंह, आकाश, दीपक और राजवीर क्रमशः पहले छह स्थानों पर रहे। इस मौके पर भरत भूषण तिवारी, राजेश कुमार मित्तल, सतीश चंद शर्मा, मुकेश तिवारी, कमल किशोर और पदम सिंह मौजूद रहे।

जयंती पर गोवर्धन के प्राथमिक विद्यालय लालपुर में वंदन करते शिक्षक- विद्यार्थी।

जयंती पर विकास बाजार स्थित गांधी प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित करते नागरिक।

कोसीकलां स्थित बजरंग विद्या मंदिर में जयंती मनाते शिक्षक आदि।

कृष्णा नगर में जयंती मनाते समत फाउंडेशन के पदाधिकारी।

जयंती पर चरखा देते युवा कल्याण विभाग के अधिकारी आदि।

जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित करते भगवान परशुराम शोभायात्रा समिति के पदाधिकारी।

मथुरा जंक्शन पर स्वच्छता की शपथ लेते अधिकारी आदि।

दौड़ प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों के साथ नगर मजिस्ट्रेट अनुपम मिश्र आदि।

रैली में शामिल केआर स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डा. प्रवीन कुमार अग्रवाल आदि।

कोटवन में खूनी रंजिश का खौफनाक अंत, किसान की मौत

नौ दिन तक जिंदगी से जूझने के बाद इन्द्रराज ने दम तोड़ा

फायरिंग में घायल किसान की मौत पर हत्या में बदला मुकदमा

यूनिक समय, कोसीकलां। गांव कोटवन में 22 सितंबर को हुई अंधाधुंध फायरिंग में घायल किसान इन्द्रराज ने नौ दिन तक जिंदगी से जूझने के बाद एक अक्तूबर को फरीदाबाद के मेट्रो हार्ट अस्पताल में दम तोड़ दिया। मौत की सूचना मिलते ही पुलिस ने दर्ज मुकदमे को हत्या की धाराओं में तब्दील कर दिया। गांव में तनाव को देखते हुए पुलिस बल तैनात किया गया है।

मृतक के भतीजे जीतेन्द्र पुत्र वीरपाल निवासी बठैनकलां थोक चंदा ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया था कि 22 सितंबर को इन्द्रराज खेत पर गए थे। आरोप है कि पहले से घात लगाए बैठे कोटवन निवासी देवेंद्र उर्फ देवो, गजेन्द्र उर्फ गज्जो, पैगांव निवासी हरिओम और विष्णु ने दो-तीन अज्ञात साथियों के साथ उन्हें घेर लिया और जान से मारने की नीयत से ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोली लगने से इन्द्रराज गंभीर घायल होकर गिर पड़े। आरोप है कि बीच-बचाव करने पहुंचे रिश्तेदार चमन और उनकी पत्नी के साथ भी मारपीट की गई, जान से मारने की धमकी देकर आरोपी फरार हो गए।

मुख्य आरोपी पहले ही भेजा जा चुका है जेल

थाना प्रभारी निरीक्षक कमलेश सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मुख्य आरोपी गजेन्द्र उर्फ गज्जो को 24 सितंबर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। इन्द्रराज को मथुरा से हालत गंभीर होने पर फरीदाबाद रेफर किया गया था। फरार देवेन्द्र, हरिओम और विष्णु की गिरफ्तारी के लिए तीन पुलिस टीमें दबिश दे रही हैं।

चोरी के आरोपी को पुलिस ने दबोचा, सोने के टॉप्स बरामद

पुलिस हिरासत में चोरी का आरोपित।

यूनिक समय, कोसीकलां। पुलिस ने चोरी के एक मामले में वांछित चल रहे शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी किए गए सोने के आभूषण- नकदी बरामद की है।

थाना प्रभारी निरीक्षक कमलेश कुमार ने बताया कि गुरुवार की शाम गोपालबाग पुल से न्यू बाईपास एनएच–19 की तरफ चौकी इंचार्ज गोपालबाग गौरव चहल पुलिस टीम के साथ गश्त कर रहे थे। तभी उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि एक युवक संदिग्ध अवस्था में घूम रहा है, जो किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। इस पर पुलिस ने युवक को घेराबंदी कर पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम देवेन्द्र उर्फ देवा, निवासी ग्राम खरोट, हाल निवासी राधाकृष्ण कॉलोनी गोपालबाग बताया। तलाशी में उसके पास से दो टॉप्स पीली धातु और 2320 रुपये नकद बरामद हुए। पुलिस जांच में पता चला है कि पकड़ा गया अभियुक्त शातिर किस्म का अपराधी है। उसके खिलाफ पहले से ही थाना कोसीकलां में चोरी व आर्म्स एक्ट के दो अन्य मुकदमे दर्ज हैं।

पौनिया जैसा निष्ठावान कार्यकर्ता ही भारत स्वाभिमान की असली ताकत: बाबा रामदेव

योग गुरु बाबा रामदेव का अभिवादन करते डॉ. अमर सिंह पौनिया ।

यूनिक समय, कोसीकलां। बरसाना में चल रही पं. प्रदीप मिश्रा की शिव महापुराण कथा में जब योग गुरु स्वामी रामदेव का आगमन हुआ तो कथा स्थल पर पहुंचने से पूर्व ही भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के जिला प्रभारी- भाजपा के नेता डॉ. अमर सिंह पौनिया ने राधा नाम का दुपट्टा उड़ाकर उनका भव्य स्वागत किया। दोनों की यह आत्मीय मुलाकात चर्चा का विषय बनी रही। योग गुरु बाबा रामदेव ने इस दौरान डॉ. अमर सिंह पौनिया की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि डॉ. अमर सिंह पौनिया हमारे भारत स्वाभिमान परिवार के अनमोल रत्न हैं। जिला प्रभारी के रूप में उन्होंने योग, आयुर्वेद, स्वदेशी और स्वाभिमान को गांव-गांव तक पहुंचाया है। बाबा ने कहा, डॉ. पौनिया केवल नाम के ही नहीं, काम के भी पौनिया हैं। इनमें सेवा, समर्पण और संस्कार तीनों हैं। भाजपा में भी ये इसी निष्ठा से राष्ट्र सेवा में लगे हैं। ऐसे ही कार्यकर्ता देश का भविष्य हैं। डॉ. अमर सिंह पौनिया ने कहा कि बाबा रामदेव का आशीर्वाद मिलना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।

गांधी जयंती पर एसपीएस इंटरनेशनल अकेडमी में गूंजा स्वच्छता का मंत्र

गांधी जयंती पर निकाली गई रैली में शामिल कैडेट्स।

यूनिक समय, कोसीकलां। गांधी जयंती पर नगर के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान एसपीएस इंटरनेशनल अकेडमी में एससीसी कैडेट्स द्वारा भव्य स्वच्छता अभियान चलाया गया। स्वच्छ भारत महात्मा गांधी का सपना था, उनके इन्हीं विचारों को आत्मसात करते हुए विद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने विद्यालय परिसर के कोने-कोने की सफाई की। कैडेट्स ने कूड़ा-कचरा एकत्र कर उसका उचित निस्तारण किया और पूरे परिसर को चमका दिया। इस दौरान कैडेट्स ने सभी विद्यार्थियों को संदेश दिया कि स्वच्छता सिर्फ एक दिन का कार्य नहीं, बल्कि जीवनशैली है। प्रधानाचार्य और एनसीसी अधिकारियों ने कैडेट्स के जज्बे की सराहना की। उन्होंने कहा कि एसपीएस इंटरनेशनल अकेडमी न केवल शिक्षा के क्षेत्र में बल्कि संस्कार, अनुशासन और राष्ट्र निर्माण में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। कार्यक्रम का समापन सभी विद्यार्थियों और स्टाफ द्वारा स्वच्छता बनाए रखने और गांधी जी के आदर्शों पर चलने की शपथ के साथ हुआ।

अग्रसेन महोत्सव को लेकर तैयारियां तेज, 11 को निकलेगी भव्य कलश यात्रा

यूनिक समय, कोसीकलां। कोसीकलां अग्रवाल सभा द्वारा इस वर्ष महाराजा अग्रसेन महोत्सव को ऐतिहासिक बनाने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। शुभारंभ 11 अक्टूबर को भव्य कलश यात्रा से होगा। सैकड़ों अग्रवाल महिलाएं, सिर पर कलश धारण कर नगर में भ्रमण करेंगी। अग्रवाल सभा के अध्यक्ष संजीव अग्रवाल (जाबिया) और मंत्री जगदीश गोयल ने बताया कि कलश यात्रा 11 अक्टूबर प्रातः 8 बजे तोताराम मंदिर (काली मंदिर), राम नगर से प्रारंभ होगी। यात्रा बलदेवगंज, मेन बाजार, घंटा घर, ओल्ड जीटी रोड होते हुए अग्रसेन चौक पर जाकर संपन्न होगी। सभा ने स्पष्ट किया है कि इस कलश यात्रा में केवल अग्रवाल समाज की महिलाएं ही भाग ले सकेंगी। सभा ने सभी अग्रवाल महिलाओं से अधिक से अधिक संख्या में कलश यात्रा में शामिल होकर मेले की शोभा बढ़ाने की अपील की है।

35 साल देश सेवा के बाद गांव लौटे तेजपाल

सेवानिवृत्त जवान के स्वागत के दौरान मौजूद ग्रामीण।

यूनिक समय, सुरीर। देश की सेवा में करीब 35 वर्ष बिताने के बाद सीआरपीएफ से सेवानिवृत्त होकर गांव लौटे तेजपाल सिंह का शुक्रवार को ग्रामीणों और परिजनों ने फूल-मालाओं और साफा पहनाकर जोरदार स्वागत किया। गांव में उनके पहुंचते ही खुशी का माहौल बन गया और लोग देश सेवा के लिए उन्हें सम्मानित करते नजर आए। थाना क्षेत्र के गांव विजऊ निवासी स्व. डोरी लाल के पुत्र तेजपाल सिंह का दो मई 1991 को सीआरपीएफ में चयन हुआ था। इसके बाद उन्होंने देश के विभिन्न हिस्सों में तैनात रहकर करीब 35 वर्षों तक अपनी सेवाएं दीं। 30 सितंबर 2026 को कोकरनाग, अनंतनाग, जम्मू-कश्मीर के 164 बटालियन

ढोल-डीजे के बीच हुआ भव्य स्वागत, ग्रामीणों ने जताया हर्ष

सेवानिवृत्त होने के बाद वह सकुशल अपने घर पहुंचे। शुक्रवार सुबह उनके पुत्र नीरज सिंह, रिश्तेदारों, आस-पड़ोस के लोगों और ग्रामीणों ने तेजपाल सिंह को माला पहनाकर तथा साफा बांधकर स्वागत किया।

स्वागत के दौरान ग्रामीणों ने देश सेवा के लिए उनके योगदान की सराहना की। इसके बाद तेजपाल परिजनों के साथ जेतु मोहल्ला स्थित शनिदेव, हनुमान मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने पूजा-अर्चना कर माथा टेका और सुख-शांति की कामना की। महिलाओं ने भी खुशी में नृत्य कर अपनी प्रसन्नता जाहिर की।

नरदेव चौधरी बने भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश मंत्री

किसान मोर्चा के प्रदेश मंत्री बनने पर समर्थकों के बीच नरदेव चौधरी।

यूनिक समय, कोसीकलां। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने भाजपा नेता नरदेव चौधरी को प्रदेश मंत्री मनोनीत कर बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। मनोनयन की खबर लगते ही कोसीकलां में भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई। शुक्रवार को नगर में जगह–जगह कार्यकर्ताओं ने नरदेव चौधरी का फूल-माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर स्वागत किया। प्रदेश मंत्री मनोनीत होने पर नरदेव चौधरी ने कहा कि भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है जो अंतिम पंक्ति के कार्यकर्ता को भी सम्मान देती है। उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी सहित शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पार्टी ने उन पर जो भरोसा जताया है, उस पर वह पूरी तरह खरा उतरेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में किसान खुशहाल है और 2027 में फिर से भाजपा की सरकार बनाने के लिए वह जी–जान से जुट जाएंगे।

बरसाना कथा सुनने जा रहे श्रद्धालुओं के ऑटो में ट्रैक्टर ने मारी टक्कर

हादसे में आगरा निवासी एक युवती की मौत, नौ घायल

यूनिक समय, कोसीकलां। कोसीकलां से बरसाना शिवपुराण सुनने जा रहे श्रद्धालुओं से भरे ऑटो को एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी। हादसे में एक युवती की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि नौ लोग गंभीर घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख–पुकार मच गई। बताया जाता है कि आगरा के लोहामंडी कुम्हार वाली गली निवासी राजेन्द्र सिंह, करन, रजनी सिंह, निशा, पुष्पा, मायादेवी, चंद्रकांत, रेखा, जगन और लतेश पुत्री मुन्नालाल शुक्रवार की सुबह ऑटो से बरसाना के लिए निकले थे। जैसे ही ऑटो गांव जाब की पुलिया के पास पहुंचा, सामने से आ रहे ट्रैक्टर ने लापरवाही से चलाते हुए ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण था कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को बाहर निकालकर सीएचसी कोसीकलां में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने लतेश (20) पुत्री मुन्नालाल को मृत घोषित कर दिया। नौ घायलों की हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया है। थाना प्रभारी कमलेश कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। टक्कर मारने वाले ट्रैक्टर को कब्जे में ले लिया गया है, चालक फरार है, तलाश की जा रही है।

मानागढ़ी मोड़ पर अनियंत्रित बाइक पलटी, युवक की मौत

यूनिक समय, सुरीर। थाना नौहझील क्षेत्र के मानागढ़ी मोड़ के पास गुरुवार रात अनियंत्रित बाइक हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर घायल हो गया। पुलिस ने घायल को अस्पताल भिजवाया।

पुलिस के अनुसार, एक अक्टूबर की रात करीब 10 बजे बाइक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बाइक पर दो लोग सवार थे। हादसे में पवन पुत्र धर्मवीर (28) निवासी कोलाना की मौत हो गई, जबकि अशोक पुत्र ग्यानी निवासी कोलाना गंभीर घायल हो गया। सूचना मिलने पर बाजना कटचौकी प्रभारी हरेंद्र सिंह तोमर, देवेंद्र सिंह मोबाइल टीम मौके पर पहुंची। घायल को एंबुलेंस की मदद से सीएचसी नौहझील ले जाया गया, जहां से उसे जिला अस्पताल मथुरा रेफर कर दिया गया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बाइक को सड़क से हटवाकर किनारे खड़ा कराया, जिससे यातायात व्यवस्था सुचारू रही।

सुविचार

अगर किसी चीज़ को दिल से चाहो तो पूरी कायनात उसे तुमसे मिलाने में लग जाती है।

कल का पंचांग

तिथि	सप्तमी	10:15-08:00 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	आर्द्रा	02:54-01:29 तक	माह	आश्विन
सूर्योदय		6:13 AM	चन्द्रोदय	11:33 PM
सूर्यास्त		6:04 PM	चंद्रास्त	12:59 PM
सूर्य राशि		कन्या राशि	चंद्र	मिथुन राशि
शुभ मुहूर्त		11:51AM –12:41 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:41-05:29
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		09:11 AM: 10:40 AM	वार	शनिवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

धुनुची की धूप और ढाक की थाप पर झूमती भक्ति

यूनिक समय, मथुरा। दुर्गा पूजा के पंडाल में ढाक की गूंज, धुनुची से उठता धुआं और उसके साथ थिरकते श्रद्धालु–यह दृ श्य पूजा के उत्सव को खास बना देता है। खासकर बंगाल की दुर्गा पूजा में धुनुची नृत्य धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। हाथ में जलती धुनुची लेकर देवी के सामने नृत्य करना केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि श्रद्धा अर्पित करने की एक पारंपरिक शैली है।

मिट्टी के पात्र में सुलगती धूप, फिर शुरू होता है नृत्य

ढाक की थाप, धुएं की लहर और उत्सव का रंग

धुनुची मिट्टी से बना पारंपरिक पूजा पात्र है। इसमें जलता कोयला या सूखा नारियल का छिलका रखा जाता है और उसके ऊपर धूप तथा सुगंधित सामग्री डाली जाती है। इससे निकलने वाला धुआं पूजा के वातावरण को सुगंधित करता है। आरती के दौरान श्रद्धालु धुनुची को हाथ में लेकर ढाक की ताल पर नृत्य करते हैं। धुनुची नृत्य को देवी के प्रति समर्पण और भक्ति की अभिव्यक्ति के रूप में देखा जाता है। हालांकि, इससे जुड़ी मान्यताएं अलग–अलग परिवारों और क्षेत्रों में कुछ भिन्न हो सकती हैं। कई जगह इसे संध्या आरती के दौरान विशेष रूप से किया जाता है। धुनुची नृत्य में ढाक की भूमिका बेहद खास होती है। ढाक की गहरी और लयबद्ध थाप के साथ नर्तक अपने कदम और हाथों की गति बदलते हैं। अनुभवी प्रतिभागी कभी एक तो कभी एक से अधिक धुनुची लेकर भी नृत्य करते हैं।

MANNAT
GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

समय के साथ यह परंपरा पूजा–अर्चना से आगे बढ़कर सांस्कृतिक उत्सव का रूप भी ले चुकी है। कई पूजा समितियां धुनुची नृत्य प्रतियोगिताएं आयोजित करती हैं, जिनमें महिलाएं, पुरुष और युवा उत्साह से भाग लेते हैं। धुनुची का धुआं, ढाक की थाप और नृत्य की लय मिलकर दुर्गा पूजा की ऐसी जीवंत तस्वीर पेश करते हैं, जिसमें भक्ति, संगीत और परंपरा एक साथ दिखाई देती है।

कोसीकलां में काठिया बाबा पदयात्रा का स्वागत, शनिवार को होगी रवाना

यात्रा में शामिल महंत रास बिहारी दास काठिया बाबा आदि संत।

यूनिक समय, कोसीकलां। ब्रज विदेही चतु:संप्रदाय के महंत रास बिहारी दास काठिया बाबा के निर्देशन में चल रही काठिया बाबा पदयात्रा का शुक्रवार को नगर में दूसरे दिन का प्रवास रहा। दो दिन के प्रवास के बाद यह पदयात्रा शनिवार को नगरवासियों को आशीर्वाद देकर अगले पड़ाव के लिए रवाना होगी।

शुक्रवार शाम को बैंड–बाजों के साथ साधु–संतों ने नगर भ्रमण किया। इस दौरान नगरवासियों ने जगह–जगह पुष्पवर्षा कर पदयात्रा का स्वागत किया। यात्रा में साधुओं द्वारा की गई अखाड़ेबाजी आकर्षण का केंद्र रही। दूसरे दिन की साधु सेवा की जिम्मेदारी नगर के हलवाई समाज ने संभाली। हलवाई समाज के लोगों में सेवा को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर रामकिशन हलवाई, सोनू हलवाई, भगवत प्रसाद हलवाई, संजय हलवाई, कन्हैया लाल हलवाई, ललित कुमार, राजू हलवाई, ओम प्रकाश ओमी हलवाई, पदम, योगेश सहित बड़ी संख्या में हलवाई मौजूद रहे।

नई एनसीईआरटी किताब में राम राज्य से सेंगोल तक की चर्चा

यूनिक समय, मथुरा। कक्षा 9 के विद्यार्थियों की नई सामाजिक विज्ञान की किताब में भारत की शासन व्यवस्था को प्राचीन परंपराओं से लेकर आधुनिक लोकतंत्र तक के संदर्भ में समझाया जाएगा। 'भारत और उससे आगे–भाग दो' नाम की इस 153 पृष्ठों की किताब में शासन व्यवस्था और सार्वजनिक नीतियों से जुड़ा एक अध्याय शामिल किया गया है। इसमें सभा, समिति, राजधर्म और राम राज्य जैसी अवधारणाओं के माध्यम से भारत में शासन के विकास को समझाने का प्रयास किया गया है।

किताब में महाभारत, रामायण, मुंडक उपनिषद और कौटिल्य के अर्थशास्त्र जैसे प्राचीन स्रोतों का भी उल्लेख किया गया है। विद्यार्थियों को बताया जाएगा कि भारत में शासन की अवधारणा समय के साथ विकसित हुई और आगे चलकर संविधान तथा

नागरिकों की भागीदारी पर आधारित लोकतांत्रिक व्यवस्था तक पहुंची। नई किताब में महात्मा गांधी के राम राज्य संबंधी विचारों को भी जगह दी गई है। इसमें ईमानदारी, पारदर्शिता, करुणा, जनकल्याण और लोगों को केंद्र में रखने वाले शासन जैसे सिद्धांतों पर चर्चा

सेंगोल और नई नीतियों का भी मिलेगा संदर्भ

की गई है। अध्याय में सेंगोल को शासन और सुशासन से जुड़े सांस्कृतिक प्रतीक के रूप में बताया गया है। इसमें चोल राजवंश से जुड़ी सेंगोल परंपरा और वर्ष 2023 में नए संसद भवन में इसकी स्थापना का संदर्भ दिया गया है।

आधुनिक नीतियों के उदाहरण के तौर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020, राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति–2017, इलेक्ट्रॉनिक शासन और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं को भी शामिल किया गया है। इस तरह विद्यार्थियों को शासन व्यवस्था और सार्वजनिक नीतियों को ऐतिहासिक तथा आधुनिक संदर्भों के साथ समझाने की कोशिश की गई है।

आईटीआई प्रशिक्षण से युवाओं को रोजगार से जोड़ने पर जोर

यूनिक समय, वृंदावन। आईटीआई में युवाओं को तकनीकी प्रशिक्षण देकर उनके कौशल को निखारने और उन्हें रोजगार से जोड़ने पर जोर दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के माध्यम से युवाओं को अपने अंदर मौजूद हुनर को विकसित करने का अवसर मिलता है। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद युवाओं को उनकी योग्यता और ट्रेड के अनुसार रोजगार से जोड़ने के प्रयास किए जाते हैं। इसके साथ ही अप्रेंटिसशिप के अवसर भी उपलब्ध कराए जाते हैं, जिससे युवा संबंधित क्षेत्र में व्यावहारिक अनुभव हासिल कर सकें। राजकीय आईटीआई वृंदावन के प्रधानाचार्य संजीव कुमार पाल ने बताया कि आईटीआई के बाद युवाओं के सामने रोजगार के कई विकल्प हैं। वे अपनी रुचि के अनुसार नौकरी कर सकते हैं, अप्रेंटिसशिप का अवसर प्राप्त कर सकते हैं या प्रशिक्षण के बाद अपना स्वरोजगार शुरू कर सकते हैं। सरकार की ओर से युवाओं को स्वरोजगार के लिए विभिन्न योजनाओं का लाभ भी दिया जा रहा है। युवा उद्यमी योजना के तहत युवाओं को अपना काम शुरू करने के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की व्यवस्था है। योजना के तहत पांच लाख रुपये तक की सहायता का प्रावधान बताया गया है। इसमें 50 हजार रुपये की सब्सिडी और 4.50 लाख रुपये की राशि बिना ब्याज के उपलब्ध कराने की बात कही गई है। उन्होंने बताया कि आईटीआई प्रशिक्षण के जरिए युवाओं को हुनरमंद बनाकर रोजगार के अवसरों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। इससे युवा नौकरी के साथ-साथ स्वरोजगार की दिशा में भी आगे बढ़ सकते हैं और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने का रास्ता तैयार कर सकते हैं।

मोबाइल चार्जर को प्लग में छोड़ना कितना भारी?

यूनिक समय, मथुरा। मोबाइल चार्ज करने के बाद चार्जर को स्विच बोर्ड में लगा छोड़ देना ज्यादातर घरों में आम बात है। लेकिन क्या बिना मोबाइल जुड़े चार्जर बिजली खाता रहता है? जवाब है–हां, लेकिन बेहद कम मात्रा में। चार्जर प्लग में लगा होने पर उसका इलेक्ट्रॉनिक सर्किट थोड़ी स्टैंडबाय बिजली ले सकता है। इसे नो–लोड या स्टैंडबाय पावर कंजम्पशन कहा जाता है।

मान लीजिए किसी चार्जर की खाली अवस्था में औसत खपत 0.1 वाट है और वह 24 घंटे रोज प्लग में लगा रहता है। इस हिसाब से 30 दिन में उसकी खपत करीब 0.072 यूनिट होगी। अगर बिजली की दर 8 रुपये प्रति यूनिट मानी जाए तो खर्च करीब

58 पैसे महीना बैठेगा। हालांकि वास्तविक खपत चार्जर की क्वालिटी, डिजाइन और मॉडल के अनुसार अलग हो सकती है। आधुनिक और अच्छे चार्जर में स्टैंडबाय खपत आमतौर पर काफी कम होती है। इसलिए सिर्फ एक मोबाइल चार्जर को प्लग में लगाए रखने से बिजली का बिल अचानक बढ़ जाने की चिंता करने की जरूरत नहीं है। मोबाइल चार्जर की तुलना में घर के कई दूसरे उपकरण ज्यादा बिजली खर्च करते हैं। अउ, गीजर, हीटर, आयरन, माइक्रोवेव और लंबे समय तक चलने वाले कूलर–पंखे बिजली की खपत पर ज्यादा असर डाल सकते हैं। टीवी, सेट–टॉप बॉक्स,

महीनेभर में कितनी बिजली खर्च होती है?

बिल घटाना है तो इन उपकरणों पर दें ध्यान

वाई–फाई राउटर और लैपटॉप अडेप्टर जैसे उपकरण भी स्टैंडबाय पावर लेते हैं। इसलिए लंबे समय तक इस्तेमाल न होने वाले उपकरणों को स्विच से बंद करना या प्लग निकालना बेहतर आदत है। यानी मोबाइल चार्जर को निकालने से थोड़ी बिजली जरूर बचती है, लेकिन बिजली बिल में बड़ी बचत के लिए ज्यादा खपत वाले उपकरणों के इस्तेमाल पर नियंत्रण करना ज्यादा असरदार है।

सम्पादकीय

अब चालान का करंट बिजली बिल तक पहुंचेगा

अब तक ट्रैफिक पुलिस की सीटी सुनकर जेब टटोलने वाला वाहन चालक शायद अगली बार बिजली का बिल देखकर भी सहम जाए। वजह यह है कि सुप्रीम कोर्ट ने लंबित ई-चालानों की वसूली के लिए बिजली बिल जैसी सेवाओं से बकाया जुर्माने को जोड़ने का सुझाव दिया है। यानी सड़क पर लालबत्ती को नजरअंदाज किया तो मामला सिर्फ ट्रैफिक पुलिस तक सीमित नहीं रहेगा, घर की बिजली तक पहुंच सकता है।

अदालत के सामने रखे आंकड़े बताते हैं कि देश में करीब 45 हजार करोड़ रुपये के ई-चालान जारी हुए, लेकिन लगभग 25 हजार करोड़ रुपये ही वसूल हो सके। करीब 20 हजार करोड़ रुपये अब भी सरकारी खाते से बाहर घूम रहे हैं। लगता है चालान काटने वाली मशीनें तेज हैं, लेकिन भुगतान करने वालों के कदम उनसे भी तेज भाग रहे हैं।

पवन गौतम
संपादक

दिल्ली के आंकड़े तो इस कहानी में हास्य का एक और अध्याय जोड़ते हैं। वहां लाखों नहीं, करोड़ों चालान और कैमरा नोटिस लंबित हैं। तेज रफ्तार, गलत पार्किंग, बिना हेलमेट और लालबत्ती तोड़ने जैसे मामलों में जुर्माना तो डिजिटल युग की गति से पहुंच जाता है, मगर भुगतान के समय नागरिक की इंटरनेट स्पीड, याददाश्त और बैंक बैलेंस तीनों अचानक धीमे पड़ जाते हैं।

लोक अदालत का इंतजार भी कई लोगों के लिए किसी त्योहार की तारीख जैसा हो गया है। उम्मीद रहती है कि शायद जुर्माना कम हो जाए। उधर नए चालान पुराने की कतार में जुड़ते रहते हैं। नतीजा यह कि सड़क पर नियमों की कतार छोटी नहीं होती, लेकिन सरकारी रिकॉर्ड में बकाया की लाइन लंबी होती जाती है। बिजली बिल से चालान जोड़ने का विचार सुनने में ऐसा लगता है जैसे सरकार ने बकायेदार को पकड़ने के लिए नया रिमोट खोज लिया हो। लेकिन असली सवाल यह है कि बिजली का बिल परिवार या परिसर से जुड़ा है, जबकि चालान किसी वाहन या चालक की गलती से। किरायेदार, साझा मीटर, वाहन बेचने और पुराने मालिक जैसे मामलों में जिम्मेदारी तय करना आसान नहीं होगा।

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

इसलिए चालान वसूली जरूरी है, लेकिन तरीका भी उतना ही स्पष्ट और न्यायसंगत होना चाहिए। वाहन पंजीकरण, फिटनेस, लाइसेंस या स्वामित्व हस्तांतरण जैसी परिवहन सेवाओं को बकाया चालान से जोड़ने के विकल्प पर भी गंभीरता से विचार किया जा सकता है। आखिर व्यवस्था का उद्देश्य नागरिक की बिजली बुझाना नहीं, उसकी ट्रैफिक समझ जगाना होना चाहिए। सड़क पर नियम टूटें तो चालान कटना स्वाभाविक है, लेकिन ऐसी व्यवस्था भी बने कि चालान कटने के बाद उसे भरना नागरिक को याद दिलाने के लिए बिजली के बिल का इंतजार न करना पड़े।

नजरिया

जब पिता ने साइकिल छोड़ी, तब जिंदगी ने पकड़ना सिखाया

बोध प्रकाश सगुणी

बचपन की कुछ यादें ऐसी होती हैं, जिनकी कोई तस्वीर हमारे पास नहीं होती, फिर भी वे जिंदगी भर हमारे भीतर चलती रहती हैं। साइकिल सीखने की याद भी कुछ ऐसी ही है। सामने खुली सड़क, पैरों में थोड़ा डर, चेहरे पर उत्साह और पीछे से साइकिल पकड़े पिता या बड़े भाई का भरोसा-''चलाते रहो, मैं हूं न!'' फिर एक दिन अचानक पीछे मुड़कर देखते हैं तो हाथ गायब होता है। साइकिल आगे बढ़ रही होती है और हमें पता चलता है कि हम अकेले चल रहे हैं। वह सिर्फ साइकिल चलाने का दिन नहीं होता। वह बचपन से आत्मनिर्भरता की ओर पहला कदम होता है।

दिलचस्प बात यह है कि जिस काम को कभी पिता, बड़ा भाई या पड़ोस का कोई बड़ा व्यक्ति सहज भाव से करवा देता था, वही काम आज दुनिया के कुछ स्कूल वैज्ञानिक और व्यवस्थित तरीके से बच्चों को सिखा रहे हैं। अमेरिका के कई प्राथमिक स्कूलों में साइकिल चलाना अब केवल खेल या मनोरंजन नहीं, बल्कि शारीरिक शिक्षा और जीवन-कौशल का हिस्सा बन रहा है।

बच्चों को सीधे पैडल वाली साइकिल पर बैठाकर छोड़ नहीं दिया जाता। पहले उन्हें बैलेंस बाइक दी जाती है। हेलमेट पहनाया जाता है। मैदान में ट्रैफिक कोन लगाकर छोटा-सा अभ्यास क्षेत्र तैयार किया जाता है। बच्चे पहले साइकिल के साथ चलना सीखते हैं, फिर पैरों के सहारे आगे बढ़ते हुए संतुलन बनाते हैं और धीरे-धीरे दोनों पैर जमीन से उठाकर कुछ सेकंड साइकिल संभालने की कोशिश करते हैं। इसके बाद पैडल वाली साइकिल आती है।

देखने में यह खेल जैसा लगता है, लेकिन इसके पीछे बच्चों के संतुलन, शरीर की समझ, क्रमबद्ध सीखने और आत्मविश्वास को विकसित करने की सोच काम करती है।

हमारी पीढ़ी को यह सब किसी पाठ्य क्रम से नहीं मिला था। हमारे शिक्षक हमारे पिता, भाई, दोस्त या पड़ोसी हुआ करते थे। कोई पीछे से सीट पकड़ता था, कोई हैंडल सीधा करता था और कोई गिरने के बाद उठाकर कहता था-''फिर कोशिश करो।''

उस अनौपचारिक शिक्षा की सबसे बड़ी खूबी थी कि उसमें असफल होने की आजादी थी। हम गिरते थे, घुटना छिलता था, कभी साइकिल दीवार से टकराती थी, लेकिन कुछ दिनों बाद वही बच्चा बिना किसी सहारे के सड़क पर निकल जाता था।

आज स्कूल इस पूरी प्रक्रिया को अधिक सुरक्षित और वैज्ञानिक बना रहे हैं। इसमें कुछ भी गलत नहीं है। आखिर बच्चों की सुरक्षा महत्वपूर्ण है। लेकिन इस बदलाव के बीच एक सवाल जरूर खड़ा होता है-क्या हम बच्चों को सुरक्षित बनाते-बनाते उन्हें जोखिम का सामना करने का आत्मविश्वास भी दे रहे हैं?

साइकिल सीखना केवल शरीर का संतुलन नहीं है। यह मन का संतुलन भी है। बच्चा सीखता है कि हर बार पीछे कोई हाथ मौजूद नहीं रहेगा। कभी-कभी आगे बढ़ने के लिए सहारा छोड़ना पड़ता है। और सबसे महत्वपूर्ण बात-गिरना सीखने की प्रक्रिया का अंत नहीं, उसका हिस्सा है।

यही बात जीवन के दूसरे क्षेत्रों में भी लागू होती है। पढ़ाई हो, खेल हो, करियर हो या कोई नया कौशल-माता-पिता हमेशा बच्चे की जगह कदम नहीं उठा सकते। उनका काम रास्ता साफ करना भर नहीं, बल्कि एक समय पर पीछे हटना भी है।

स्कूलों में साइकिलिंग के साथ सड़क सुरक्षा सिखाने का पहलू और भी महत्वपूर्ण है। बच्चों को यह समझाया जाता है कि सड़क पर केवल अपना रास्ता देखना पर्याप्त नहीं है। पैदल यात्री, साइकिल सवार, कार चालक और दूसरे लोग भी उसी सड़क का हिस्सा हैं।

जेब्रा क्रॉसिंग पर पैदल यात्री को रास्ता देना, सड़क पार करते समय वाहन चालक से आंखों का संपर्क बनाना और असुरक्षित व्यवहार को पहचानना जैसी छोटी बातें बच्चों को भविष्य का जिम्मेदार नागरिक बनाने में मदद कर सकती हैं।

यह शिक्षा विशेष जरूरत वाले बच्चों के लिए तो और भी उपयोगी है, क्योंकि इससे उनमें स्वतंत्र रूप से चलने-फिरने और परिस्थितियों को समझने का आत्मविश्वास पैदा होता है।

दरअसल, साइकिल का सबसे बड़ा पाठ सड़क पर नहीं, जीवन में मिलता है। दो पहिए हमें बताते हैं कि संतुलन स्थिर खड़े रहने से नहीं, लगातार आगे बढ़ते रहने से बनता है। बहुत तेज चलेंगे तो गिरने का खतरा है, बहुत धीमे होंगे तो संतुलन बिगड़ सकता है। सही गति, सही दिशा और आसपास की परिस्थितियों की समझ-यही साइकिल भी सिखाती है और जिंदगी भी।

आज स्कूलों में साइकिलिंग को वैज्ञानिक तरीके से सिखाया जा रहा है। यह बदलते समय की जरूरत हो सकती है। मगर इसके पीछे छिपे पुराने सबक को भूलना नहीं चाहिए। बच्चों को सुरक्षा दें, लेकिन हर कदम पर उनका हाथ पकड़े न रहें। उन्हें गिरने से बचाएं, लेकिन हर गिरावट का अनुभव उनसे छीन भी न लें। उन्हें रास्ता दिखाएं, मगर रास्ता तय करने की जिम्मेदारी भी धीरे-धीरे उनके हाथ में दें।

क्योंकि साइकिल का असली रोमांच उस क्षण शुरू होता है, जब पीछे खड़ा व्यक्ति हाथ छोड़ देता है।

और शायद पालन-पोषण की खूबसूरती भी यही है-बच्चे को हमेशा संभालकर रखना नहीं, बल्कि एक दिन इतना सक्षम बना देना कि वह पीछे मुड़कर देखे और मुस्कुराते हुए कहे-''अब मैं खुद चला सकता हूं।''

विचार विंडो

गांधी का रामराज्य : सत्ता नहीं, समाज बदलने का सपना

राम प्रकाश शर्मा

महात्मा गांधी को केवल स्वतंत्रता आंदोलन के नेता के रूप में देखना उनके व्यापक चिंतन को सीमित कर देना होगा। गांधी का भारत राजनीतिक स्वतंत्रता से आगे सामाजिक समरसता, नैतिकता, आत्मनिर्भरता और कमजोर से कमजोर व्यक्ति के सम्मान पर आधारित भारत था। उनके लिए 'रामराज्य' किसी धार्मिक शासन-व्यवस्था का नाम नहीं, बल्कि ऐसे आदर्श समाज की कल्पना थी जिसमें न्याय, समानता, नैतिकता और लोककल्याण सर्वोच्च हों।

गांधी जब रामराज्य की बात करते थे तो उसका अर्थ किसी एक धर्म या समुदाय का प्रभुत्व नहीं था। उनकी धार्मिक आस्था गहरी थी, लेकिन वे धर्म को मनुष्य को जोड़ने वाली शक्ति के रूप में देखते थे। राम उनके लिए सत्य, मर्यादा और न्याय के प्रतीक थे। इसलिए गांधी की रामराज्य की अवधारणा को समझते समय उसके नैतिक और सामाजिक पक्ष को केंद्र में रखना आवश्यक है। गांधी के भारत की बुनियाद सामाजिक भेदभाव से मुक्त समाज पर टिकी थी। जाति, छुआछूत, ऊंच-नीच और धार्मिक विभाजन उन्हें स्वीकार्य नहीं थे। उनका आग्रह था कि स्वतंत्र भारत की सफलता का आकलन इस आधार पर होना चाहिए कि समाज के सबसे कमजोर व्यक्ति के जीवन में कितना सुधार आया। आज जब सामाजिक और राजनीतिक विमर्श कई बार पहचान के सवालों में उलझ जाता है, तब गांधी का यह विचार प्रासंगिक दिखाई देता है कि भारत की एकता केवल संवैधानिक व्यवस्था से नहीं, बल्कि सामाजिक विश्वास और आपसी सम्मान से मजबूत होगी। रामराज्य की गांधीवादी व्याख्या में यही समरसता केंद्रीय तत्व थी।

गांधी के चिंतन का दूसरा महत्वपूर्ण आधार स्वदेशी था। वे विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार को केवल आर्थिक रणनीति नहीं मानते थे, बल्कि इसे आत्मसम्मान और स्थानीय अर्थव्यवस्था से जोड़ते थे। चरखा उनके लिए इसी विचार का प्रतीक बना। आज भारत आत्मनिर्भरता, स्थानीय उत्पादन और छोटे उद्यमों को बढ़ावा देने की बात कर रहा है। बदलती अर्थव्यवस्था में स्वदेशी की अवधारणा का स्वरूप भले बदल गया हो, लेकिन स्थानीय कारीगरों, लघु उद्योगों, ग्रामीण रोजगार और घरेलू उत्पादन को मजबूत करने का प्रश्न आज भी महत्वपूर्ण है। गांधी का ग्राम-केंद्रित आर्थिक चिंतन इस संदर्भ में विचार का आधार उपलब्ध कराता है।

गांधी की सबसे बड़ी चिंता केवल सत्ता हासिल करना नहीं थी। वे स्वतंत्रता को सामाजिक और नैतिक परिवर्तन से जोड़कर देखते थे। शराबबंदी, स्वच्छता, ग्रामोद्योग, महिला सम्मान, अस्पृश्यता उन्मूलन और सांप्रदायिक सद्भाव जैसे विषय उनके रचनात्मक कार्यक्रमों का हिस्सा थे। यही कारण है कि गांधी को किसी एक राजनीतिक खांचे में रखकर समझना कठिन है। उनके विचारों में ऐसे तत्व हैं जिनकी व्याख्या अलग-अलग राजनीतिक और सामाजिक धाराएं अपने-अपने संदर्भ में करती रही हैं। गांधी की प्रासंगिकता शायद इसी में है कि उनके विचार सत्ता से अधिक समाज के चरित्र पर सवाल खड़े करते हैं। गांधी के राम को केवल धार्मिक पहचान के दायरे में देखना उनके विचार की व्यापकता को कम कर देता है। गांधी की प्रसिद्ध प्रार्थना-परंपरा में 'रघुपति राघव राजा राम' के साथ धार्मिक सद्भाव का संदेश भी जुड़ा रहा। उनके लिए राम सत्य और नैतिकता के प्रतीक थे। आज आवश्यकता इस बात की है कि रामराज्य को राजनीतिक नारे के बजाय उसके मूल नैतिक अर्थों में समझा जाए। यदि राम न्याय, मयसद्भावीदा, करुणा और लोककल्याण के प्रतीक हैं तो इन मूल्यों का दायरा स्वाभाविक रूप से पूरे समाज तक जाता है। यही गांधी की दृष्टि को व्यापक बनाता है। गांधी को याद करने का अर्थ केवल उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित करना नहीं है। असली प्रश्न यह है कि उनके विचारों में से किन मूल्यों को आज के भारत के सामाजिक और आर्थिक जीवन में सार्थक रूप से अपनाया जा सकता है। स्वदेशी को स्थानीय रोजगार से, ग्राम स्वराज को विकेंद्रीकरण से, रामराज्य को न्याय और लोककल्याण से तथा अहिंसा को सामाजिक संवाद से जोड़कर देखा जा सकता है। यह गांधी के विचारों को वर्तमान संदर्भ में समझने का एक रास्ता हो सकता है। भारत की आधुनिकता और उसकी सांस्कृतिक जड़ों के बीच टकराव अनिवार्य नहीं है। चुनौती यह है कि परंपरा से मिलने वाले नैतिक मूल्यों और आधुनिक लोकतांत्रिक व्यवस्था के बीच ऐसा संतुलन बने, जिसमें नागरिक स्वतंत्रता, समानता और विविधता सुरक्षित रहें। गांधी की विरासत का सार शायद इसी प्रश्न में छिपा है-हम कैसा भारत बनाना चाहते हैं? ऐसा भारत जिसमें विकास केवल आर्थिक आंकड़ों में दिखाई दे या ऐसा भारत जिसमें अंतिम व्यक्ति की गरिमा, सामाजिक सद्भाव, स्थानीय अर्थव्यवस्था और नैतिक सार्वजनिक जीवन भी विकास की कसौटी हों? रामराज्य की गांधीवादी कल्पना को यदि इसी व्यापक अर्थ में समझा जाए, तो वह किसी एक समुदाय की नहीं, बल्कि न्यायपूर्ण और मानवीय भारत की कल्पना बन जाती है। गांधी जयंती पर उनके विचारों की सबसे सार्थक स्मृति यही होगी कि हम उनके नाम से आगे बढ़कर उन मूल्यों पर विचार करें, जिनके आधार पर वे स्वतंत्र भारत का निर्माण देखना चाहते थे।

बॉक्सिंग में गोल्ड की हैट्रिक, लवलीना परवीन और अंकुश ने रचा इतिहास

बॉक्सिंग में लवलीना परवीन और अंकुश ने जीता गोल्ड

आर्चरी में महिला टीम का स्वर्ण, सुजीत कलकल ने कुश्ती में रोमांचक जीत दर्ज की

यूनिक समय, नई दिल्ली। एशियन गेम्स 2026 में 2 अक्टूबर का दिन भारतीय खिलाड़ियों के लिए बेहद शानदार रहा। भारत ने बॉक्सिंग, कुश्ती और आर्चरी समेत कई खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए कई पदक अपने नाम किए। बॉक्सिंग में लवलीना बोरगोहेन, परवीन हुड्डा और अंकुश पंघाल ने अपने-अपने गोल्ड मेडल मुकाबले जीतकर भारत का गौरव बढ़ाया। वहीं कुश्ती में सुजीत कलकल ने बेहद रोमांचक मुकाबले में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। बॉक्सिंग में लवलीना बोरगोहेन ने महिलाओं की 75 किग्रा कैटेगरी के फाइनल में चीन की बाओ जियी को हराया। लवलीना ने मुकाबले के तीनों राउंड में शानदार प्रदर्शन किया और गोल्ड मेडल अपने नाम किया। खास बात यह रही कि 2 अक्टूबर को ही लवलीना का जन्मदिन भी था। इसके अलावा महिलाओं के 65 किग्रा वर्ग में परवीन हुड्डा ने चीनी ताइपे की चेन निएन-चिन को मात देकर स्वर्ण पदक जीता। पुरुषों के 80 किग्रा वर्ग में अंकुश पंघाल ने किम मिनसियोंग को हराकर गोल्ड अपने नाम किया। कुश्ती में सुजीत कलकल ने पुरुषों के 65 किग्रा फ्रीस्टाइल फाइनल में ताजिकिस्तान के अब्दुलमाझिद कुदिएव को 10-9 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। मुकाबले में सुजीत एक समय 2-9 से पीछे चल रहे थे, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए लगातार अंक जुटाए और मैच खत्म होने से 11 सेकंड पहले जरूरी दो अंक हासिल कर जीत दर्ज की। आर्चरी में भी भारत का प्रदर्शन शानदार रहा। रिकर्व महिला टीम में कुमकुम, कीर्ति और अंकिता की तिकड़ी ने दक्षिण कोरिया को हराकर गोल्ड मेडल जीता। वहीं पुरुष रिकर्व टीम को दक्षिण कोरिया के खिलाफ फाइनल में हार के बाद सिल्वर मेडल मिला। मिक्स्ड रिकर्व में कुमकुम और धीरज की जोड़ी ने भी सिल्वर पदक हासिल किया। सेपकटकराव में भारतीय पुरुष क्वाड्रेंट टीम ने जापान से सेमीफाइनल हारने के बाद ब्रॉन्ज मेडल जीता। वहीं सेलिंग में नेत्रा कुमानन ने महिलाओं की डिंगी इवेंट में कांस्य पदक हासिल किया। स्रोत के अनुसार, भारत की मेडल टैली में 15 गोल्ड, 25 सिल्वर और 35 ब्रॉन्ज समेत कुल 75 पदक थे और भारत छठे स्थान पर था।

'दृश्यम-3' पर चला अजय देवगन का जादू, क्लाइमेक्स ने उड़ाए दर्शकों के होश

आखिरी 30 मिनट और जबरदस्त ट्विस्ट की हो रही तारीफ, सोशल मीडिया पर फैंस ने बताया शानदार फिल्म

यूनिक समय, नई दिल्ली। अजय देवगन और जयदीप अहलावत की 'दृश्यम-3' 2 अक्टूबर 2026 को गांधी जयंती के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म की रिलीज के साथ सोशल मीडिया पर दर्शकों के रिएक्शन सामने आने लगे हैं। शुरुआती प्रतिक्रियाओं में फिल्म के सस्पेंस, ट्विस्ट, तनाव भरे सीन्स और खासतौर पर क्लाइमेक्स की जमकर तारीफ हो रही है। दर्शक इसे विजय सलगांवकर की कहानी का आखिरी चैप्टर बता रहे हैं। अभिषेक पाठक के निर्देशन में बनी 'दृश्यम 3' क्राइम-थ्रिलर फ्रेंचाइजी की तीसरी और अंतिम कड़ी है। अजय देवगन फिर विजय सलगांवकर के किरदार में नजर आए हैं। उनके साथ तब्बू, श्रेया सरन, प्रकाश राज और जयदीप अहलावत अहम भूमिकाओं में हैं। नए कलाकारों की एंट्री को लेकर रिलीज से पहले दर्शकों में उत्सुकता थी। फिल्म देखने के बाद कई सोशल मीडिया यूजर्स ने अजय देवगन के अभिनय और जयदीप अहलावत की इंटेंस परफॉर्मेंस की तारीफ की। एक दर्शक ने लिखा कि अजय देवगन इंटेंस रोल्स में हर बार कमाल करते हैं और जयदीप सेकेंड लीड में परफेक्ट हैं। वहीं, कुछ दर्शकों ने स्क्रीनप्ले, राइटिंग और निर्देशन को भी शानदार बताया। एक यूजर ने फिल्म के फर्स्ट हाफ को बढ़िया बताया। सबसे ज्यादा चर्चा फिल्म के आखिरी 30 मिनट और क्लाइमेक्स की हो रही है। दर्शकों के मुताबिक, आखिरी हिस्सा बेहद ग्रिपिंग है और कहानी को संतोषजनक अंजाम तक पहुंचाता है। एक यूजर ने बिना स्पॉइलर दिए कहा कि क्लाइमेक्स जानने के लिए फिल्म को खुद थिएटर में देखना होगा। कुछ प्रतिक्रियाओं में इसे पहले और दूसरे भाग से भी बेहतर बताया गया। रिलीज से पहले फिल्म की एडवांस बुकिंग ने भी ध्यान खींचा था। सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक, छह शो डेट्स के लिए करीब 51.45 करोड़ रुपये की एडवांस बुकिंग दर्ज हुई थी। अब दर्शकों की शुरुआती प्रतिक्रिया के बाद इसके ओपनिंग डे कलेक्शन के आंकड़ों का इंतजार है।

'काम पर जाते देखा, ताबूत में लौटे' निमरत कौर ने याद की पिता की शहादत

11 साल की उम्र में खोया पिता को, 1994 में सेना की वर्दी पहने आतंकियों ने किया था अपहरण

यूनिक समय, नई दिल्ली। अभिनेत्री निमरत कौर ने अपने पिता मेजर भूपेंद्र सिंह की शहादत को याद करते हुए सबसे दर्दनाक दौर के बारे में भावुक बात की है। साल 1994 में कश्मीर में आतंकवादियों ने उनके पिता का अपहरण कर लिया था। उस वक्त निमरत 11 साल की थीं। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने पिता को सुबह ड्यूटी के लिए जाते हुए देखा था और सात दिन बाद वह ताबूत में वापस लौटे। मेजर भूपेंद्र सिंह भारतीय सेना में अधिकारी थे और उनकी पोस्टिंग कश्मीर में थी। निमरत के मुताबिक, ड्यूटी से लौटते समय कुछ लोग सेना की वर्दी पहनकर आए और उनका अपहरण कर लिया। अपहरणकर्ताओं ने अगले सात दिनों तक कई मांगें रखीं, जिनमें भारत में कैद अपने लोगों की रिहाई की मांग भी शामिल थी। सातवें दिन परिवार को उनकी मौत की खबर मिली। बाद में मेजर भूपेंद्र सिंह को मरणोपरांत शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया।

एशियन गेम्स में परवीन हुड्डा का धमाकेदार कमबैक, जीता गोल्ड

चीनी ताइपे की चेन निएन-चिन को 3-2 से हराया

यूनिक समय, नई दिल्ली। चार साल पहले एशियन गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली परवीन हुड्डा ने शानदार वापसी करते हुए भारत के लिए गोल्ड हासिल किया है। नागोया एशियन गेम्स में महिलाओं के 65 किग्रा वर्ग के फाइनल मुकाबले में परवीन ने चीनी ताइपे की चेन निएन-चिन को 3-2 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। परवीन ने दबाव के बीच शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। साल 2022 के एशियन गेम्स में परवीन ने ब्रॉन्ज मेडल जीता था, लेकिन बाद में इंटरनेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने ठिकाने की सही जानकारी न देने के मामले में उन पर 22 महीने का बैन लगाया। इसके कारण उनका मेडल वापस ले लिया गया। निलंबन की वजह से वह पेरिस ओलंपिक के क्वालिफिकेशन में भी हिस्सा नहीं ले सकीं। मुश्किल दौर के बाद परवीन ने रिंग में वापसी की और लगातार अपनी क्षमता साबित की। वह पहले 63 किग्रा वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। अपनी बेहतरीन फुटवर्क, रणनीति और दबाव में शानदार खेल के लिए पहचानी जाने वाली परवीन को 2022 वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल के बाद पहचान मिली। उसी साल उन्होंने एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में गोल्ड जीता था।

इंडोनेशिया में नुसरत भरूचा के साथ बड़ा हादसा, रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर

बाली में वर्क-कम हॉलिडे के दौरान हुई दुर्घटना

एयर एंबुलेंस से मुंबई लाकर होगी सर्जरी

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस नुसरत भरूचा को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। एक्ट्रेस बाली में वर्क-कम-हॉलिडे ट्रिप पर गई थीं, जहां वह एक दुर्भाग्यपूर्ण हादसे का शिकार हो गईं। हादसे में उनकी रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर हुआ है। फिलहाल नुसरत बाली के एक अस्पताल में भर्ती हैं और डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है। नुसरत की टीम की ओर से जारी बयान के मुताबिक, एक्ट्रेस को हादसे में गंभीर चोट लगी है और उनकी रीढ़ की हड्डी की सर्जरी कराई जाएगी। टीम ने बताया कि फिलहाल उनकी सेहत सबसे बड़ी प्राथमिकता है। उन्हें बेहतर इलाज के लिए एयर एंबुलेंस के जरिए बाली से मुंबई लाने की तैयारी की जा रही है। मुंबई पहुंचने के बाद उनकी सर्जरी की जाएगी। टीम ने यह भी बताया कि चोट और सर्जरी के बाद नुसरत को आराम और रिकवरी के लिए पर्याप्त समय की जरूरत होगी। ऐसे में आने वाले कुछ हफ्तों में उनके काम से जुड़े कमिटमेंट प्रभावित हो सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, निर्धारित काम पूरे नहीं कर पाने की वजह से उन्हें आर्थिक नुकसान भी हो सकता है। हालांकि, टीम ने इस संबंध में कोई निश्चित राशि नहीं बताई है। नुसरत के प्रवक्ता ने लोगों से उनकी प्राइवेसी का सम्मान करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि इस समय एक्ट्रेस का पूरा ध्यान इलाज और रिकवरी पर है। टीम ने नुसरत के लिए चिंता और शुभकामनाएं भेजने वाले सभी लोगों का आभार जताया है।

युजवेंद्र चहल ने फर्स्टक्लास क्रिकेट से लिया संन्यास

टेस्ट डेब्यू का सपना रह गया अधूरा

वनडे और टी20 में टीम इंडिया के लिए वापसी की उम्मीद

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत के अनुभवी स्पिनर युजवेंद्र चहल ने फर्स्ट-क्लास क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है। चहल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर रेड बॉल क्रिकेट को अलविदा कहने की जानकारी दी। हालांकि, उन्होंने वनडे और टी20 क्रिकेट से संन्यास नहीं लिया है। वह सीमित ओवरों के क्रिकेट में टीम इंडिया के लिए वापसी की उम्मीद बनाए हुए हैं। चहल ने अपने भावुक पोस्ट में बताया कि फर्स्टक्लास क्रिकेट ने उन्हें धैर्य रखना और मुश्किल परिस्थितियों से उबरना सिखाया। उन्होंने कहा कि टेस्ट क्रिकेट में घंटों मैदान पर संघर्ष करने का अपना अलग आनंद होता है। हालांकि, उनके करियर में भारत के लिए टेस्ट खेलने का सपना पूरा नहीं हो सका। टेस्ट डेब्यू नहीं कर पाना उनके लिए हमेशा एक मलाल रहेगा। उन्होंने माना कि संन्यास की घोषणा करना आसान नहीं था, क्योंकि टेस्ट क्रिकेट खेलना उनका हमेशा से सपना रहा था। इसके बावजूद चहल ने अपने क्रिकेट सफर और फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में मिले अवसरों के लिए आभार जताया। फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में उनका रिकॉर्ड शानदार रहा है। उन्होंने 49 मैचों में कुल 148 विकेट हासिल किए। हालांकि, उन्हें कभी भारतीय टेस्ट टीम में खेलने का मौका नहीं मिला। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में चहल ने भारत के लिए 72 वनडे मुकाबलों में 121 विकेट लिए हैं। वहीं, 80 टी20 इंटरनेशनल मैचों में उनके नाम 96 विकेट दर्ज हैं। सीमित ओवरों में उनके प्रदर्शन ने भारतीय क्रिकेट में उनकी खास पहचान बनाई है। चहल ने साफ किया है कि उनका क्रिकेट करियर अभी खत्म नहीं हुआ है। वह वनडे और टी20 फॉर्मेट में खेलना जारी रखना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि टीम इंडिया के लिए खेलने की भूख अभी भी उनके अंदर मौजूद है और उन्हें लगता है कि उनके भीतर अभी काफी क्रिकेट बाकी है। वह भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने का मौका पाने के लिए अपनी मेहनत जारी रखेंगे। चहल के लिए यह फैसला उनके लंबे क्रिकेट सफर में पड़ाव है। रेड बॉल क्रिकेट से दूरी बनाने के बावजूद सीमित ओवरों में उनकी महत्वाकांक्षा कायम है। वह फिटनेस और प्रदर्शन पर ध्यान देते हुए टीम में जगह बनाने की कोशिश करेंगे। उनकी नजर आगामी मुकाबलों में साबित करने पर रहेगी।

'प्रेम कीटाणु' रिव्यू: दोस्ती और प्यार की मासूम कहानी

वीर पहाड़िया और आफिया सैयद की केमिस्ट्री जमी

लेकिन दूसरे भाग में कमजोर पड़ती है कहानी

यूनिक समय, नई दिल्ली। 'प्रेम कीटाणु' दोस्ती, प्यार और करियर की उलझनों से गुजरती युवा कहानी है। फिल्म विशाल ठाकुर की जिंदगी पर केंद्रित है, जो पढ़ाई पूरी करने के बाद नौकरी, परिवार और विदेश जाकर पढ़ाई के सपनों के बीच उलझा है। इसी दौरान उसकी मुलाकात सुहानी से होती है और दोनों के बीच आकर्षण और रिश्ते की शुरुआत होती है। कहानी प्यार, गलतफहमियों और अलग-अलग प्राथमिकताओं को सामने लाती है। वीर पहाड़िया ने विशाल के किरदार में सहज अभिनय किया है। वह अपनी जिंदगी और भावनाओं को समझने की कोशिश करता युवा है। आफिया सैयद सुहानी के किरदार में स्वाभाविक नजर आती हैं।

किठौर में फिर कांटे की टक्कर

2027 में सपा–भाजपा के बीच दिलचस्प मुकाबले के आसार

यूनिक समय, मेरठ। मेरठ जिले की किठौर विधानसभा सीट का सियासी इतिहास लगातार करीबी मुकाबलों से भरा रहा है। 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले यहां एक बार फिर समाजवादी पार्टी और भाजपा के बीच मुकाबले को लेकर चर्चा तेज है। 1993 से 2022 तक हुए सात विधानसभा चुनावों में सपा ने चार बार, भाजपा ने दो बार और भारतीय किसान कामगार पार्टी ने एक बार जीत दर्ज की है। सपा की चारों जीत शाहिद मंजूर के नाम रही हैं। 1993 में अयोध्या में विवादित

ढांचा विध्वंस के बाद हुए चुनाव में भाजपा के रामकृष्ण वर्मा ने जनता दल के परवेज हलीम खान को 7,248 वोटों से हराया था। 1996 में परवेज हलीम खान ने भारतीय किसान कामगार पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ते हुए भाजपा से पिछली हार का बदला लिया। इसके बाद 2002 में सपा ने पहली बार किठौर सीट जीती और शाहिद मंजूर विधायक बने। शाहिद मंजूर ने 2007 और 2012 में भी जीत दर्ज कर अपनी पकड़ बनाए रखी। 2012 में उन्होंने बसपा के लखीराम नागर को 11,106 वोटों से हराया था। हालांकि 2017 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के सत्यवीर त्यागी ने शाहिद मंजूर को 10,822 वोटों से हराकर सपा का विजय क्रम रोक दिया। इसके बाद 2022 में शाहिद मंजूर ने फिर वापसी की। उन्होंने सत्यवीर त्यागी को महज 2,180 वोटों के अंतर से हराया। यह 1993 के बाद किठौर का सबसे करीबी मुकाबला रहा। किठौर के चुनावी समीकरण में मुस्लिम, गुर्जर, त्यागी और अनुसूचित जाति के मतदाताओं की भूमिका अहम मानी जाती है। पिछले चुनावों के आंकड़े बताते हैं कि यहां मुकाबला अक्सर दो प्रमुख प्रत्याशियों के बीच बेहद करीबी रहा है। 2027 में सपा, भाजपा, बसपा और अन्य दलों के प्रत्याशियों की स्थिति तथा संभावित गठबंधन चुनावी तस्वीर को प्रभावित कर सकते हैं।

यूपी चुनाव 2027, बसपा ने जलालपुर सीट से दयाराम राजभर को उतारा

यूनिक समय, लखनऊ। अंबेडकरनगर में बसपा ने 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर जलालपुर सीट पर अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया है। शुक्रवार को जलालपुर तहसील क्षेत्र स्थित एक निजी मैरिज हाल में आयोजित पार्टी के कार्यकर्ता सम्मेलन में अयोध्या मंडल प्रभारी दयाराम राजभर को विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी बनाए जाने की जानकारी दी गई। प्रत्याशी के नाम के एलान के बाद कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। सम्मेलन में बसपा प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और गांव–गांव व घर–घर संपर्क अभियान चलाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पार्टी 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी है और कार्यकर्ताओं को पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को जनता तक पहुंचाने का काम करना चाहिए। विश्वनाथ पाल ने अंबेडकरनगर जिले के गठन सहित बसपा सरकार के कार्यकाल की उपलब्धियों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से इन उपलब्धियों को जनता के बीच

रखने को कहा। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने भाजपा और सपा को लेकर भी राजनीतिक आरोप लगाए और कहा कि आगामी चुनाव में जनता बसपा को समर्थन देगी। प्रदेश अध्यक्ष ने अंबेडकरनगर जिले की पांचों विधानसभा सीटों पर पार्टी की तैयारी और संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आपसी समन्वय के साथ चुनावी गतिविधियों में जुटने की अपील की।

दयाराम राजभर को जलालपुर से प्रत्याशी घोषित किए जाने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व एमएलसी दिनेश चंद्रा ने की, जबकि संचालन जिलाध्यक्ष सुनील सावंत गौतम ने किया। सम्मेलन में दिलीप विमल, समीर चौधरी, मनोज वर्मा, मोहम्मद असद, केडी गौतम समेत पार्टी के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कानपुर की बदहाल सड़कों ने छीनी मेजबानी

यूनिक समय, कानपुर। कानपुर में खराब सड़कें, ट्रैफिक जाम और सीधी एयर कनेक्टिविटी की कमी का असर अब शहर में होने वाले बड़े आयोजनों पर भी दिखाई देने लगा है। चिकित्सा जगत के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन 'कानपुर आर्थ्रोप्लास्टी कोर्स–2026' की मेजबानी इस बार कानपुर से लखनऊ स्थानांतरित कर दी गई है। दो से चार अक्टूबर तक प्रस्तावित सम्मेलन अब लखनऊ के होटल रमाडा में आयोजित होगा। परेड स्थित आईएमए भवन में वैज्ञानिक समिति के चेयरमैन डॉ. एएस प्रसाद ने बताया कि आयोजकों ने सम्मेलन के लिए बिठूर के एक होटल में 80 और सिविल लाइंस के होटल में 50 कमरे पहले से बुक कराए थे। उम्मीद थी कि कानपुर–लखनऊ एक्सप्रेसवे शुरू होने से आवागमन आसान होगा, लेकिन सड़क की स्थिति देखकर सभी बुकिंग रद्द करनी पड़ीं।

डॉ. प्रसाद के अनुसार, देश–विदेश से आने वाले विशेषज्ञों ने खराब सड़कों, लगातार ट्रैफिक जाम और उड़ानों की सीमित

राष्ट्रीय सम्मेलन लखनऊ हुआ शिफ्ट

सुविधा को लेकर कानपुर आने में असमर्थता जताई। इसी वजह से कार्यक्रम को लखनऊ में आयोजित करने का निर्णय लिया गया। वर्ष 2005 में शुरू हुआ यह कोर्स 2019 तक कानपुर में आयोजित होता रहा था। आयोजन अध्यक्ष डॉ. आनंद निगम ने बताया कि इस वर्ष सम्मेलन की थीम 'प्रिसिजन इन आर्थ्रोप्लास्टी–द नेक्स्ट एरा' है। इसमें देश–विदेश के ऑर्थोपेडिक सर्जन जोड़ प्रत्यारोपण की आधुनिक तकनीकों पर चर्चा करेंगे।

लाइव सर्जरी और इंटरैक्टिव सेशन भी होंगे। सम्मेलन में हिप सर्जरी की डायरेक्ट एंटीरियर एप्रोच, जटिल रिवीजन जॉइंट रिप्लेसमेंट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर चर्चा होगी। युवा डॉक्टरों के लिए सीमित सीटों वाली रोबोटिक वर्कशॉप भी आयोजित की जाएगी, जिसमें नई तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा।

आकाश से नहीं टपकेगा स्वराज्य आगरा में बापू ने दिया था बड़ा संदेश

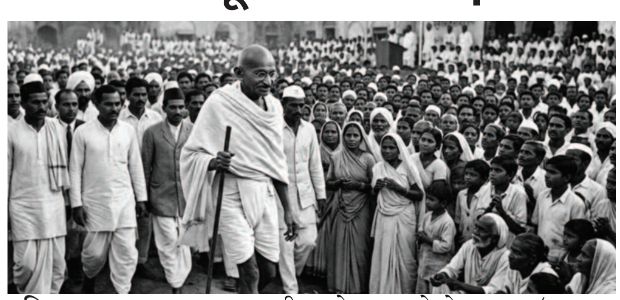

यूनिक समय, कानपुर। आगरा की धरती महात्मा गांधी की कई ऐतिहासिक स्मृतियों से जुड़ी है। वर्ष 1929 में गांधी जी यहां बृजमोहन दास की बगीची में करीब 11 दिन रुके थे। यह स्थान अब गांधी स्मारक के नाम से जाना जाता है। गांधी जी के आगरा प्रवास से जुड़ी इस करीब 200 वर्ष पुरानी इमारत का अब संरक्षण किया जाएगा। राज्य पुरातत्व विभाग ने इसके लिए करीब 1.48 करोड़ रुपये का प्रस्ताव तैयार किया है। 11 सितंबर 1929 को तत्कालीन हीवेट पार्क में गांधी जी ने लोगों को संबोधित करते हुए स्वराज्य को लेकर स्पष्ट संदेश दिया था। उन्होंने कहा था कि स्वराज्य अपने आप नहीं मिलेगा, बल्कि इसके लिए लोगों को प्रयास करना होगा। बापू ने अहिंसात्मक तरीके से स्वतंत्रता हासिल करने पर जोर देते हुए कहा था कि केवल घोषणा करने से स्वराज्य 'आकाश से नहीं टपकेगा। गांधी जी वर्ष 1918 से 1944 के बीच पांच बार आगरा आए थे। वर्ष 1929 का उनका प्रवास विशेष रूप से ऐतिहासिक माना जाता है। बताया जाता है कि वह पेट के दर्द से राहत पाने के लिए बृजमोहन दास मेहरा की बगीची में रुके थे। इस दौरान कस्तूरबा गांधी, आचार्य कृपलानी, मीरा बहन और प्रभावती भी उनके साथ थीं। आज यह स्मारक संरक्षण की जरूरत में है। पुरातत्व विभाग के अनुसार इमारत को मूल स्वरूप में लाने के साथ उसके आसपास बगीचा भी विकसित किया जाएगा। संरक्षण कार्य अगले माह शुरू होने की उम्मीद है। गांधी जयंती पर आगरा से जुड़ी उनकी ये स्मृतियां उनके स्वतंत्रता आंदोलन के संदेश और ऐतिहासिक विरासत को फिर सामने लाती हैं।

गांधी जयंती पर हादसे का मातम, स्कूल बस–डंपर की भिड़ंत में शिक्षिका की मौत

यूनिक समय, कानपुर। कानपुर के बिधनू में शुक्रवार सुबह कानपुर–सागर हाईवे पर तेज रफ्तार डंपर और स्कूल बस की आमने–सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में विज्ञान शिक्षिका ऐश्वर्या श्रीवास्तव की मौत हो गई, जबकि कई छात्र और शिक्षक घायल हो गए। हादसा हरबसपुर गांव के पास हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस के शीशे टूटकर अंदर बिखर गए और यात्रियों में चीख–पुकार मच गई।

बताया गया कि घाटमपुर के मूसानगर रोड स्थित चीना पब्लिक स्कूल के छात्र और शिक्षक गांधी जयंती कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बस से घाटमपुर जा रहे थे। बस में करीब 35 लोग सवार थे। हरबसपुर के पास सामने से तेज रफ्तार डंपर आता देखकर चालक अर्जुन ने बस को सड़क से नीचे उतारकर बचाने की कोशिश की, लेकिन डंपर ने बस के साइड हिस्से में टक्कर मार दी। टक्कर के दौरान खिड़की का शीशा टूटने से पिछली सीट के पास बैठीं शिक्षिका ऐश्वर्या श्रीवास्तव गंभीर रूप से घायल हो गईं। कांच के टुकड़े उनके सिर में लगने से उनकी हालत बिगड़ गई। उन्हें बिधनू सीएचसी ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। उनकी मौत की खबर से स्कूल परिवार में मातम पसर गया।

हादसे में कक्षा सात के छात्र रौनक वर्मा की आंख में भी कांच के टुकड़े लगे। शिक्षक अंजू रीता और हिमांशु यादव समेत कई अन्य लोग घायल हुए। दो घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया। हादसे के बाद ग्रामीणों ने डंपर चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने डंपर कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है और तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की बात कही है।

8 साल पुराने केस में चंद्रशेखर आजाद के खिलाफ एनबीडब्ल्यू

कोर्ट में पेश न होने पर कार्रवाई

यूनिक समय, गाजियाबाद। नगीना से सांसद और आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद के खिलाफ गाजियाबाद की सांसद–विधायक अदालत ने गैर–जमानतीवारंट (एनबीडब्ल्यू) जारी किया है। यह कार्रवाई वर्ष 2018 में साहिबाबाद थाना क्षेत्र में दर्ज एक मामले की सुनवाई के दौरान अदालत में पेश नहीं होने के बाद की गई। मामला एक शादी समारोह में धर्मेंद्र कुमार नाम के युवक से कथित मारपीट और थप्पड़ मारने से जुड़ा है। शिकायतकर्ता के अनुसार, शादी समारोह के दौरान चंद्रशेखर

आजाद और उनके साथ मौजूद लोगों की धर्मेंद्र कुमार से बहस हुई थी, जिसके बाद उसके साथ मारपीट और धमकी देने का आरोप लगाया गया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच की थी। शिकायतकर्ता के वकील के मुताबिक, पुलिस जांच पूरी कर अदालत में आरोप पत्र दाखिल कर चुकी है और मामले की सुनवाई चल रही है। अदालत की ओर से चंद्रशेखर आजाद को पेश होने के लिए कई बार समन जारी किए गए थे, लेकिन वह अदालत में उपस्थित नहीं हुए। गुरुवार को हुई सुनवाई में भी उनकी गैरहाजिरी के बाद अदालत ने गैर–जमानती वारंट जारी करने का आदेश दिया। अदालत की कार्रवाई में संपत्ति कुर्क किए जाने की चेतावनी भी सामने आई है। हालांकि, गैर–जमानती वारंट जारी होना मामले में दोष सिद्ध होने के बराबर नहीं है और अंतिम निर्णय अदालत की सुनवाई तथा उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर होगा। यह मामला ऐसे समय सामने आया है, जब उत्तर प्रदेश में 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। चंद्रशेखर आजाद अपनी पार्टी के संगठन विस्तार और जनसंपर्क अभियान में सक्रिय हैं। ऐसे में करीब आठ साल पुराने मामले में हुई अदालत की कार्रवाई चर्चा में आ गई है।

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ दिल्ली मुंबई में प्रदर्शन, कई नेता हिरासत में

जंतर-मंतर पर सुरक्षा बढ़ी, सीजेपी ने मुंबई के शिवाजी पार्क में किया विरोध प्रदर्शन

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ शुक्रवार 2 अक्टूबर को दिल्ली और मुंबई में विरोध प्रदर्शन हुए। विपक्षी दलों और विभिन्न संगठनों ने दिल्ली में प्रदर्शन कर ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की। वहीं मुंबई के शिवाजी पार्क में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने भी विरोध प्रदर्शन आयोजित किया। सीजेपी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने पहले ही प्रदर्शन का ऐलान किया था। मुंबई पुलिस ने प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी थी, इसके बावजूद संगठन ने आंदोलन करने की बात कही। दिल्ली में जंतर–मंतर और आसपास के इलाकों में सुरक्षा बढ़ाई गई। दिल्ली पुलिस ने नई दिल्ली इलाके में बीएनएस की धारा 163 लागू की और जंतर–मंतर पर प्रवेश पर रोक लगाई। पुलिस के मुताबिक, प्रदर्शन के दौरान कई लोगों को हिरासत में लिया गया। 500 से अधिक प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया, जिनमें आम आदमी पार्टी नेता सौरभ भारद्वाज, संजीव झा, अनुराग ढांडा, आतिशी और संजय सिंह शामिल थे। कुछ जगहों पर प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तनाव की स्थिति भी बनी। प्रदर्शनकारियों ने चुनाव आयोग और एसआईआर प्रक्रिया को लेकर अलग–अलग मांगें रखीं। विपक्षी संगठनों की ओर से एसआईआर प्रक्रिया रोकने, चुनाव आयोग को अधिक स्वतंत्र बनाने और मतदाता सूची से हटाए गए नामों को बहाल करने जैसी मांगें सामने आईं। समाजवादी पार्टी ने भी लखनऊ में प्रदर्शन किया, जहां अनुमति नहीं होने के कारण कुछ कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया। मुंबई में सीजेपी के प्रदर्शन से पहले स्थानीय नागरिकों ने भी विरोध जताया। संगठन ने शिवाजी पार्क के गेट नंबर 6 पर आंदोलन की घोषणा की थी। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस ने अतिरिक्त बल तैनात किया और बैरिकेडिंग की। बाद में सीजेपी के विरोध में जेन नेक्स्ट के लोग भी पोस्टर–बैनर लेकर सड़क पर उतरे। इस बीच कांग्रेस,आम आदमी पार्टी, समाजवादी पार्टी और अन्य विपक्षी संगठनों ने ज्ञानेश कुमार के खिलाफ अलग–अलग आरोप और मांगें उठाईं। दूसरी ओर, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर पलटवार किया।

शायद पायलट ने मुझे हटाने का मन बना लिया था, बोले राजा वड़िंग

राहुल गांधी से मुलाकात पर भी की बात

साढ़े चार साल के कार्यकाल पर जताया संतोष

यूनिक समय, नई दिल्ली। पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने अपने पद से हटने के बाद सचिन पायलट को लेकर बयान दिया है। वड़िंग ने कहा कि शायद पायलट ने यह तय कर लिया था कि अब उन्हें पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष के पद से हटाने का समय आ गया है। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि उनके पास इस बात का कोई ठोस सबूत नहीं है। वड़िंग ने यह भी बताया कि उन्होंने अपनी बात कांग्रेस नेता राहुल गांधी तक पहुंचाई है। वड़िंग के मुताबिक, सचिन पायलट को पंजाब कांग्रेस का प्रभारी बनाए जाने के समय उनसे केवल एक बार मुलाकात हुई थी। उन्होंने बताया कि उस मुलाकात में 15 मिनट बातचीत हुई और इसके बाद दोनों की कोई बैठक नहीं हुई। वड़िंग ने कहा कि शायद पायलट ने उनके बारे में कोई फैसला लिया हो, लेकिन वह इसे प्रमाणित नहीं कर सकते। प्रदेश अध्यक्ष पद छोड़ने के बादवड़िंग ने राहुल गांधी से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि राहुल गांधी ने पंजाब के हालात और कई मुद्दों पर सवाल पूछे। वड़िंग ने कहा कि उन्होंने राहुल गांधी के सवालों के जवाब दिए और पंजाब को लेकर अपने विचार साझा किए। उन्होंने राहुल गांधी के व्यवहार को स्नेहपूर्ण बताया। मुलाकात के बाद वड़िंग अपनी पत्नी के साथ दिल्ली के गुरुद्वारा बंगला साहिब पहुंचे और अरदास की।

जयपुर की ऐतिहासिक पहचान पर मंडराया खतरा, यूनेस्को दर्जे पर सवाल

अवैध निर्माण और कब्जों को लेकर हाईकोर्ट सख्त

ऐतिहासिक इमारतों की सुरक्षा पर उठे सवाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। जयपुर की ऐतिहासिक पहचान और यूनेस्को विश्व धरोहर दर्जे को लेकर चिंता बढ़ गई है। शहर की ऐतिहासिक इमारतों और विरासत क्षेत्रों में कथित अवैध निर्माण और कब्जों के मामले को लेकर राजस्थान हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। इस मुद्दे ने जयपुर की ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण और उनके भविष्य को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। जयपुर को उसकी ऐतिहासिक वास्तुकला, हवेलियों, महलों और पुराने शहर की विशिष्ट संरचना के लिए जाना जाता है। शहर की कई ऐतिहासिक इमारतें इसकी पहचान का अहम हिस्सा हैं। ऐसे में विरासत क्षेत्रों में बिना अनुमति निर्माण और अतिक्रमण की शिकायतों को लेकर चिंता जताई जा रही है। आशंका है कि यदि ऐतिहासिक स्वरूप में लगातार बदलाव होता रहा तो इसका असर शहर की यूनेस्को विश्व धरोहर पहचान पर पड़ सकता है। मामले में हाईकोर्ट के सामने ऐतिहासिक इमारतों और विरासत क्षेत्र में हो रहे निर्माण से जुड़े मुद्दे उठाए गए हैं। अदालत ने संबंधित अधिकारियों की भूमिका और धरोहरों की सुरक्षा को लेकर सवाल किए हैं। कोर्ट की कार्रवाई के बाद प्रशासन के सामने भी ऐतिहासिक क्षेत्रों में नियमों का पालन सुनिश्चित करने की चुनौती है। जयपुर की विश्व धरोहर पहचान केवल पर्यटन के लिहाज से ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि यह शहर की सांस्कृतिक और स्थापत्य विरासत से भी जुड़ी हुई है। विशेषज्ञों और विरासत संरक्षण से जुड़े लोगों के बीच इस बात को लेकर चिंता है कि अनियंत्रित निर्माण और कब्जे ऐतिहासिक स्वरूप को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

नेतन्याहू का दावा– इस्लामी कट्टरपंथ से प्रभावित था को–पायलट

फ्लाईदुबई फ्लाइट में को–पायलट ने कैप्टन को मारा चाकू

विमान गिराने की भी जताई आशंका

यूनिक समय, नई दिल्ली। दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की फ्लाइट में बुधवार को हड़कंप मच गया, जब ओमान के को–पायलट ने कॉकपिट में कैप्टन स्मित मच्छर पर चाकू से हमला कर दिया। कैप्टन गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद विमान की ऊंचाई में गिरावट आई, लेकिन यात्रियों और क्रू की मदद से हमलावर को काबू किया गया और फ्लाइट को सऊदी अरब के तबुक एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतारा गया। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने फॉक्स न्यूज को बताया कि को–पायलट इस्लामी कट्टरपंथी विचारधारा से प्रभावित था। उन्होंने दावा किया कि यह जानकारी उसकी निजी बातों से सामने आई है। नेतन्याहू के अनुसार, काबू किए जाने के बाद को–पायलट चिल्ला रहा था, "मुझे मार डालो, मुझे मार डालो।" उन्होंने कहा कि इससे संकेत मिलता है कि आत्महत्या करना चाहता था। नेतन्याहू ने यह संभावना भी जताई कि वह विमान को गिराने की कोशिश कर सकता था, हालांकि उन्होंने इसे अंतिम निष्कर्ष नहीं बताया। घटना के दौरान यात्रियों और क्रू सदस्यों ने कॉकपिट में पहुंचकर हमलावर को काबू किया। फ्लाइट में मौजूद एक डेंटिस्ट ने घायल कैप्टन को प्राथमिक उपचार दिया। उनके शरीर पर गहरी चोटें थीं और काफी खून बह रहा था। दो रिजर्व पायलटों ने विमान को संभाला और सुरक्षित लैंडिंग कराई। को–पायलट का नाम सार्वजनिक नहीं किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक ओमान का नागरिक है। उसे सऊदी अरब से अबू धाबी ले जाकर हिरासत में लिया गया। संयुक्त अरब अमीरात घटना की जांच कर रहा है कि यह आतंकवाद से जुड़ी थी या नहीं। जांच में यह भी पता लगाया जा रहा है कि उसका मकसद क्या था।

किताब भूलने के बहाने टीचर ने छात्रा को फ्लैट पर बुलाया, किया रेप

8वीं की छात्रा को पेपर में फेल करने की धमकी, आरोपी मैथ्स टीचर गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। गुजरात के राजकोट में एक सरकारी स्कूल के मैथ्स टीचर पर आठवीं कक्षा की नाबालिग छात्रा से रेप करने का आरोप लगा है। आरोप है कि शिक्षक ने किताब भूलने के बहाने छात्रा को अपने फ्लैट पर बुलाया और उसके साथ दुष्कर्म किया। बताया जा रहा है कि आरोपी छात्रा को परीक्षा में फेल करने की धमकी भी देता था। मामले की शिकायत सामने आने के बाद पुलिस ने आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, आरोपी शिक्षक की पहचान मोहित टैंक के रूप में हुई है। वह राजकोट के सरकारी स्कूल में गणित पढ़ाता था। आरोप है कि शिक्षक ने छात्रा को किताब लेने के बहाने अपने फ्लैट पर बुलाया। वहां उसने कथित तौर पर छात्रा के साथ दुष्कर्म किया। छात्रा ने जब इस घटना का विरोध किया तो आरोपी ने उसे धमकाया और परीक्षा में फेल करने की बात कही। घटना के बाद छात्रा ने मामले की जानकारी अपने परिवार को दी। इसके बाद परिजनों ने पुलिस से संपर्क किया और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी शिक्षक के खिलाफ मामला दर्ज किया और उसे गिरफ्तार कर लिया। नाबालिग से जुड़े इस मामले में पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई की है। पुलिस अब पूरे मामले की जांच कर रही है। जांच के दौरान छात्रा के बयान और घटना से जुड़े अन्य तथ्यों को रिकॉर्ड किया जा रहा है। पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आरोपी ने छात्रा को किस परिस्थिति में अपने फ्लैट पर बुलाया और क्या उसके खिलाफ पहले भी ऐसी कोई शिकायत सामने आई थी। मामले के सामने आने के बाद स्कूल और शिक्षा विभाग से जुड़े अधिकारियों के बीच भी हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस की जांच के बाद मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

एफिल टावर विवाद में बीएपीएस को क्लीन चिट, महिलाओं को हटाने की मांग नहीं

आधिकारिक जांच में नहीं मिली महिला कर्मचारियों को हटाने की मांग

ऑपरेशनल गलतियों और संवाद की कमी को बताया गया वजह

यूनिक समय, नई दिल्ली। एफिल टावर विवाद को लेकर बीएपीएस हिंदू मंदिर ऑफ पेरिस ने महिला कर्मचारियों को हटाने या छिपाने के आरोपों पर सफाई दी है। संस्था ने कहा है कि उसने एफिल टावर के विजिटर रूट पर तैनात महिला कर्मचारियों को हटाने, छिपाने या उन्हें आगंतुकों से अलग रखने का कोई निर्देश नहीं दिया था। बीएपीएस के मुताबिक, मामले की आधिकारिक जांच में भी ऐसी किसी मांग की पुष्टि नहीं हुई है। बीएपीएस ने जांच के निष्कर्ष सामने आने के बाद पर बयान जारी किया। संस्था ने कहा कि वह प्रभावित कर्मचारियों को लेकर चिंतित है। उसका कहना है कि महिला कर्मचारियों को उनके निर्धारित स्थानों से हटाने का कोई अनुरोध नहीं किया गया था। जांच में भी यह बात सामने आई कि महिलाओं को आगंतुकों के रास्ते से हटाने की मांग बीएपीएस की ओर से नहीं हुई थी। विवाद उस समय सामने आया, जब कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि हिंदू धार्मिक प्रतिनिधिमंडल की एफिल टावर यात्रा के दौरान महिला कर्मचारियों से अपनी जगह छोड़कर दूसरे हिस्से में जाने को कहा गया। यह भी दावा किया गया कि उनकी जगह पुरुष कर्मचारियों को तैनात किया गया। जांच के अनुसार, घटनाक्रम के पीछे परिचालन संबंधी गलतियां और आपसी संवाद की कमी रही। इसके कारण कुछ महिला कर्मचारियों को उनके निर्धारित पदों से बदला गया या हटाया गया। बीएपीएस ने स्पष्ट किया कि इस स्थिति को संस्था की ओर से महिलाओं को हटाने के निर्देश के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। बीएपीएस ने कहा कि आधिकारिक जांच के विस्तृत निष्कर्ष सामने आने से मामले की पूरी परिस्थितियों को बेहतर समझने में मदद मिलेगी। संस्था ने दोहराया कि एफिल टावर दौरे के दौरान महिला कर्मचारियों को हटाने या विजिटर रूट से बाहर रखने की कोई मांग उसकी ओर से नहीं की गई थी।

गुरुग्राम में प्रदूषण पर एक्शन, दो अधिकारी सस्पेंड

आरडब्ल्यूए की शिकायतों के बाद सीएम नायब सैनी ने लिया फैसला

यूनिक समय, नई दिल्ली। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुरुग्राम में प्रदूषण नियंत्रण को लेकर सख्त कार्रवाई की है। गुरुग्राम की विकास परियोजनाओं की समीक्षा बैठक के दौरान हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के दो क्षेत्रीय अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया। इनमें गुरुग्राम नॉर्थ की क्षेत्रीय अधिकारी आकांक्षा और गुरुग्राम साउथ के क्षेत्रीय अधिकारी मुकुल कुमार शामिल हैं। यह कार्रवाई आरडब्ल्यूए की ओर से मिल रही शिकायतों के बाद की गई। शिकायतों में प्रदूषण और पर्यावरण से जुड़े मामलों में प्रभावी कार्रवाई को लेकर सवाल उठाए गए थे। समीक्षा बैठक में इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े मामलों में गंभीरता से कार्रवाई करने और नियमों की अनदेखी पर सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए। बैठक में विकास परियोजनाओं के साथ प्रदूषण नियंत्रण और नागरिकों की शिकायतों के निपटारे की स्थिति की भी समीक्षा की गई। निलंबन आदेशों के अनुसार दोनों अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

आठ दिवसीय अग्र महोत्सव में सजेगा सेवा-संस्कृति का रंग

शुक्रवार को अग्रसेन जयंती महोत्सव की जानकारी देने के दौरान मंच पर मौजूद श्री अग्रवाल सभा (रजि.) के पदाधिकारी।

आठ अक्टूबर को नर सेवा से होगा महोत्सव का शुभारंभ

पंद्रह अक्टूबर को पलक मुच्छल की प्रस्तुति से समापन

यूनिक समय, मथुरा। श्री अग्रवाल सभा की ओर से अग्रसेन जयंती महोत्सव इस बार आठ दिवसीय होगा। आठ अक्टूबर से शुरू होने वाले महोत्सव का समापन 15 अक्टूबर को बॉलीवुड गायिका पलक मुच्छल की प्रस्तुति के साथ होगा। शुक्रवार को अग्रवाटिका में आयोजित प्रेसवार्ता में मीडिया प्रभारी सचिन घी वाले ने कार्यक्रमों की जानकारी दी।

मुख्य चुनाव अधिकारी-मेला संरक्षक जयन्ती प्रसाद अग्रवाल और प्रधानमंत्री सुभाष चंद अग्रवाल सिक्का वाले ने बताया कि आठ अक्टूबर को सुबह 10 बजे वृद्धाश्रम की महिलाओं को वस्त्र-खाद्य सामग्री वितरित की जाएगी। शाम पांच बजे सृजन संस्था को सहयोग राशि दी जाएगी। नौ अक्टूबर को तिलकद्वार अग्रवाल धर्मशाला में निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर, अग्रवाटिका में दिव्यांग सेवा और रक्तदान शिविर और यमुनापार अग्रसेन घाट पर दीपदान होगा।

शोभायात्रा और मेले में होंगे विविध कार्यक्रम

मुख्य जयंती संयोजक किशोर मित्तल और शोभायात्रा संयोजक रोहित अग्रवाल ने बताया कि 12 अक्टूबर को शाम चार बजे चम्पा अग्रवाल इंटर कॉलेज भरतपुर गेट से अग्रसेन शोभायात्रा निकलेगी, जो बाजारों से होकर होली गेट पहुंचेगी। सभा अध्यक्ष अशोक बंसल और मेला संयोजक अंकित बंसल ने बताया कि 13 से 15 अक्टूबर तक बीएसए डिग्री कॉलेज में अग्रसेन मेला लगेगा। इसमें कवि सम्मेलन, महिला समिति का सांस्कृतिक कार्यक्रम, नाटक, मुंबई के रॉक बैंड की भजन जैमिंग और अंतिम दिन पलक मुच्छल की प्रस्तुति होगी।

11 अक्टूबर को अग्रवाटिका में पुष्पांजलि, अग्रसेन चौक मसानी पर माल्यार्पण-कलश यात्रा और तिलकद्वार अग्रवाल धर्मशाला में ध्वजारोहण, हवन, सांस्कृतिक कार्यक्रम और सहभोज होगा। धर्मशाला अध्यक्ष हरिओम अग्रवाल मांट वाले और मंत्री कृष्ण मुरारी नेताजी ने व्यवस्थाओं की जानकारी दी।

प्रेसवार्ता में उपाध्यक्ष योगेश बंसल, संगठन मंत्री धीरज गोयल, कोषाध्यक्ष राजकु मार अग्रवाल रद्दी, प्रचार मंत्री संदीप अड्की, पूर्व अध्यक्ष महावीर मित्तल, चंदा संयोजक रमन लाल गुप्ता, अग्रसेन स्वरूप गोवर्धन दास नीनू, पुष्पांजलि संयोजक मनोज अग्रवाल, पत्रिका संपादक प्रवीण अग्रवाल, योगेश गोयल, महिला समिति अध्यक्ष रेनू अग्रवाल, मंत्री शशि अग्रवाल, संयोजिका आशा अग्रवाल और मीरा अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारी-सदस्य मौजूद रहे।

कल से शुरू होगा 21 दिवसीय रामलीला महोत्सव

श्रीकृष्ण जन्मस्थान से चित्रकूट तक होंगे विभिन्न लीला मंचन

20 अक्टूबर को रावण वध और दशहरा मेला होगा आयोजित

यूनिक समय, मथुरा। श्रीरामलीला सभा (रजि.) के तत्वावधान में कल से 23 अक्टूबर तक 21 दिवसीय श्री रामलीला महोत्सव आयोजित होगा। प्रचारमंत्री पं. शशांक पाठक ने बताया कि तीन अक्टूबर को मुकुट पूजन से महोत्सव का शुभारंभ होगा। चार अक्टूबर को गोस्वामी तुलसीदास जीवन चरित्र, पांच को शिव-पार्वती विवाह, छह को नारद मोह, सात को आकाशवाणी एवं श्रीराम जन्म, आठ को अहिल्या चरित्र, जानकी जन्म व ताड़का वध, नौ को पुष्प वाटिका-गौरी पूजन और 10 को धनुष यज्ञ और परशुराम-लक्ष्मण संवाद होगा।

11 अक्टूबर को राम बारात, श्रीराम-जानकी विवाह, 12 को कोप भवन, 13 को वनवास, दशरथ मरण और भरत आगमन, 14 को भरत मनावन-पादुका दान, 15 को शूर्पणखा लीला, खर-दूषण वध और सीता हरण होगा। 16 को शबरी, हनुमान-सुग्रीव मिलन व बालि वध, 17 को लंका दहन, 18 को विभीषण शरणागत, अंगद-रावण संवाद व लक्ष्मण शक्ति, 19 को कुंभकरण-मेघनाद वध, सुलोचना सती होगी। 20 अक्टूबर को अहिरावण वध, रावण वध और दशहरा मेला, 21 को भरत मिलाप, 22 को श्रीराम राज्याभिषेक और 23 को शांति पाठ-सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा। तीन से 13 अक्टूबर तक लीला श्रीकृष्ण जन्मस्थान, 14 से 19 तक चित्रकूट लीला मंच मसानी और 18 से 20 तक रामलीला मैदान महाविद्या में होगी। 21 अक्टूबर को भरत मिलाप चौक बाजार चौराहा और 23 को समापन कार्यक्रम चित्रकूट मसानी में होगा।

वोट बचाओ-देश बचाओ अभियान को लेकर विपक्षी दलों ने कसी कमर

शुक्रवार को पत्रकार वार्ता के दौरान मौजूद इंडिया गठबंधन के पदाधिकारी।

आठ अक्टूबर तक चलेगा लोकतंत्र बचाओ सप्ताह, वार्ड से बूथ तक जनसंपर्क की तैयारी

यूनिक समय, मथुरा। लोकतंत्र और मतदाता के अधिकारों से जुड़े मुद्दों को लेकर कांग्रेस और आईएनडीआईए गठबंधन के सहयोगी दलों ने मथुरा में अभियान की शुरुआत कर दी है। शुक्रवार को कांग्रेस के निर्देश पर 'लोकतंत्र बचाओ सप्ताह' और 'वोट बचाओ-देश बचाओ' अभियान को लेकर संयुक्त बैठक और वार्ता हुई। इसमें अभियान को शहर से लेकर गांव और वार्ड से लेकर बूथ स्तर तक पहुंचाने की रणनीति पर चर्चा की गई।

पूर्व विधायक प्रदीप माथुर ने कहा कि आठ अक्टूबर तक गठबंधन के सहयोगी दलों के साथ मिलकर विभिन्न स्तरों पर बैठकें और जनसंपर्क कार्यक्रम किए जाएंगे। बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को अभियान से जोड़ा जाएगा। इसके बाद 'वोट बचाओ-देश बचाओ' मार्च निकालने की तैयारी है। निवर्तमान सपा महानगर अध्यक्ष रितु गोयल ने कहा कि अभियान की पहुंच केवल शहर तक सीमित नहीं रहेगी। कांग्रेस के साथ गठबंधन के सहयोगी दलों के कार्यकर्ताओं को भी अभियान से जोड़कर वार्ड, ब्लॉक और बूथ स्तर तक जनसंपर्क किया जाएगा। कांग्रेस नेता यतेंद्र मुकद्दम ने कहा कि मथुरा-वृंदावन में अभियान को व्यापक रूप दिया जाएगा। मलिक अरोड़ा ने कहा कि लोकतंत्र और मतदाता के अधिकारों से जुड़े मुद्दों को लेकर जनता के बीच व्यापक जनजागरण की जरूरत है।

बैठक में आशीष अरोड़ा, गिर्राज धरण चतुर्वेदी, रेनू चौधरी, राजन पाठक, ज्ञान सिंह चौधरी, प्रहलाद यादव, मुन्ना मलिक,धनंजय चौधरी,आजाद, नंदन,सिम्मी बेगम, सीखा चौधरी, प्रकाश शर्मा,आदित्य पाठक, आनंद शर्मा,अनिल निषाद, विकास सिंह, जय शर्मा, पवन चौधरी, जमील खान और हप्पू यादव सहित अन्य पदाधिकारी-कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पॉक्सो कानून समझा बच्चों ने, सुरक्षा का संदेश मिला

ज्ञान दीप स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में जिला जज विकास कुमार, पद्मश्री मोहन स्वरूप भाटिया, उद्योगपति पवन चतुर्वेदी और न्यायिक अधिकारी।

न्यायिक अधिकारियों ने अधिकारों और सुरक्षित व्यवहार की दी जानकारी

यूनिक समय, मथुरा। ज्ञान दीप शिक्षा भारती सीनियर सेकेंडरी स्कूल में गुरुवार को पॉक्सो अधिनियम के प्रति जागरूकता-संवेदनशीलता कार्यक्रम हुआ। शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ। जिला-सत्र न्यायाधीश विकास कुमार ने विद्यार्थियों को बाल सुरक्षा, कानूनी अधिकार, अनुचित व्यवहार की पहचान और संदिग्ध परिस्थिति में तत्काल जानकारी देने के संबंध में समझाया।

मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नितिन कुमार, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव अनीता सिंह, एसीजेएम रेलवे सूर्यभान कुमार वर्मा, डीआइओएस राघवेंद्र सिंह, सहायक लीगल एड डिफेंस काउंसिल राहुल अग्रवाल ने भी विद्यार्थियों से संवाद किया। विद्यालय संस्थापक-सचिव पद्मश्री मोहन स्वरूप भाटिया ने बाल सुरक्षा को प्राथमिक आवश्यकता बताया। प्रधानाचार्य रजनी नौटियाल ने अतिथियों का आभार जताया। प्रशासनिक अधिकारी आशीष भाटिया, प्रबंध समिति सदस्य पवन चतुर्वेदी, संयोजक अक्ष भाटिया और संचालनकर्ता सुनीता रोहरा मौजूद रहे।

फरह के गढ़ाया में बुर्जी-बिटोरों में लगी आग से मचा हड़कंप

ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर किया काबू

यूनिक समय, मथुरा। थाना फरह के गांव गढ़ाया लतीफ पुर में शुक्रवार को ग्रामीणों के बुर्जी-बिटोरों में लगी आग से हजारों रुपये का पशुओं का चारा और ईंधन जलकर राख हो गया। आग इतनी भीषण थी कि ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। बुर्जी बिटोरों में लगी आग को ग्रामीणों ने भारी मशक्कत के बाद बुझाया गया।

बताया गया कि आज दिन में अचानक ग्रामीणों के पशुओं के लिए बनाए गए चारे के लिए भूसे की बुर्जियों और ईंधन के लिए लगे बिटोरों में अचानक आग लग गई। बताया गया कि आग ने तेज हवा के चलते आस-पास में लगे अन्य बुर्जी बिटोरों तक पहुंच गई। आग की तेज लपटों को उठते देख ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। ग्रामीण बुर्जी बिटोरों में लगी आग को बुझाने के लिए दौड़ पड़े। ग्रामीणों ने पानी का प्रयोग कर काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू किया, लेकिन उस समय तक हजारों रूपये का पशुआ का भूसा और ईधन जलकर राख हो गया।

16 अक्टूबर को अग्रसेनमय होगा मथुरा महानगर

अग्र पत्रिका का विमोचन करते मुख्य संरक्षक मुरारी अग्रवाल।

500 महिलाओं की मंगल कलश यात्रा निकलेगी 15 अक्टूबर को

शोभायात्रा में 18 राजकुमार सफेद घोड़ों पर होंगे सवार

यूनिक समय, मथुरा। श्री अग्रबंधु सभा मथुरा की ओर से 16 अक्टूबर को अग्रसेन शोभायात्रा को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। अग्रसेन चौक केदार धाम स्थित भामाशाह सभागार में अग्रपत्रिका का विमोचन हुआ। मुख्य संरक्षक मुरारी अग्रवाल ने पत्रिका का विमोचन करते हुए कहा कि व्यापारी समाज देश को विकसित और आत्मनिर्भर बनाने में योगदान दे रहा है।

महामंत्री देवेंद्र अग्रवाल ने बताया कि 15 अक्टूबर को लालदरवाजा से 500 महिलाओं की मंगल कलश यात्रा निकलेगी। सुबह नौ बजे अग्रसेन चौक पर भावांजलि महोत्सव होगा। 16 अक्टूबर को मसानी स्थित अग्रसेन चौराहा से शोभायात्रा निकलेगी। इसमें 18 राजकुमार सफेद सजे घोड़ों पर, अग्रसेनजी उड़ीसा शैली के विशाल रथ पर विराजमान होंगे। मार्ग पर रेड कार्पेट बिछाया जाएगा।

समारोह की अध्यक्षता अध्यक्ष हरीश जैन सर्राफ ने की।

पूर्व अध्यक्ष संरक्षक किशोर भरतिया का सम्मान किया गया। संस्थापक विपिन किरोड़ी सर्राफ, उपाध्यक्ष रविप्रकाश अग्रवाल, बंशीधर अग्रवाल बिजली वाले, अनिल अग्रवाल, विशन दयाल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष कृष्ण कुमार कन्नु, अनिल भाई ड्रेस वाले, देवेंद्र सर्राफ, मितेश बंसल, प्रवीन दाल वाले, राकेश गर्ग आढ़ती, मनोज अग्रवाल, दीपक सर्राफ, गजानंद अग्रवाल, मनोज चैन, राजकुमार डीआरएस, शिवकुमार अग्रवाल, बृज बिहारी गुड़ेरा, अजय चौधरी, राकेश गुप्ता एडवोकेट, महिला सभा अध्यक्ष रितु अग्रवाल, महामंत्री शिल्पी अग्रवाल, रिंकी बंसल, राधा जैन, दीपिका अग्रवाल और मोनिका अग्रवाल मौजूद रहे।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता में सार्थक ने जीता स्वर्ण पदक

स्वर्ण पदक विजेता सार्थक।

यूनिक समय, मथुरा। 16वें राष्ट्रीय स्तर के इंटर स्कूल ब्रेन ओ ब्रेन वंडरकिड-2026 भारत प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह खंडेलवाल सेवा सदन मथुरा में आयोजित हुआ। समारोह में विभिन्न विद्यालयों के प्रतिभागियों को उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। रमनलाल शोरावाला प्राइमरी स्कूल, टेकमैन सिटी, मथुरा के कक्षा एक के छात्र सार्थक ने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल हासिल किया। मुख्य अतिथि पद्मश्री मोहन स्वरूप भाटिया ने सार्थक को स्वर्ण पदक और प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने छात्र का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं बच्चों में प्रतिभा, आत्मविश्वास और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करती हैं। समारोह में आयोजकों ने विद्यार्थियों की उपलब्धियों को सराहा और राष्ट्रीय स्तर की शैक्षिक प्रतियोगिताओं के महत्व पर प्रकाश डाला।